शुक्रवार
03 अप्रैल 2026
● देहरादून
● वर्ष 34
● अंक 69
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

34 साल से देहरादून का विश्वास

दून वैली मेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94 email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

दिव्यांशु के हत्या मामले में टिकैत पहुंचे दून

संवाददाता

देहरादून। छात्र दिव्यांशु की हत्यारोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकेत के नेतृत्व में आशा रोहडी पहुंचे जहां पर उन्होंने धरना देकर मुख्यमंत्री से मिलने की मांग की।

बीते दिनों प्रेमनगर थाना क्षेत्रान्तर्गत बिधौली में दो छात्र गुटों के आपसी टकराव के चलते छात्र दिव्यांशु की मौत हो गयी थी। इस मामले में पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिये। जबकि अन्य मौके से फरार हो गये थे। इस मामले में भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने रोष व्यक्त करते हुए दून कूच का ऐलान किया था। आज प्रातः पुलिस ने टिकैत के आने से पूर्व ही आशा रोहडी क्षेत्र में बैरिकेडिंग लगा दी थी। सुबह ग्यारह बजे राकेश टिकैत अपने समर्थकों के साथ वहां पर पहुंचे तो पुलिस ने बैरिकेडिंग लगाकर उनको वहीं रोक दिया। इस दौरान पुलिस व किसानों में तीखी नोंक झोंक भी हुई। इस दौरान दून से पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष व कांग्रेसी नेता पंकज क्षेत्री भी अपने समर्थकों के साथ वहां पर पहुंचे और राकेश टिकैत के समर्थन में वही धरने पर बैठ गये। इस दौरान राकेश टिकैत ने मांग की है कि दिव्यांशु हत्याकांड के आरोपियों को कडी से कडी सजा दिलाने के लिए वह हरसम्भव प्रयास करेंगे। उन्होंने पुलिस प्रशासन से दिव्यांशु जाटराणा के हत्यारों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग करते हुए मुख्यमंत्री से मुलाकात की मांग भी रखी। इस दौरान पुलिस अधिकारी भी मौके पर मौजूद रहे। देर सांय तक राकेश टिकैत अपने समर्थकों के साथ धरने पर डटे रहे। उन्होंने पुलिस प्रशासन को चेतावनी दी कि अगर उनकी मुख्यमंत्री से मुलाकात नहीं होती है तो वह शनिवार को दून के लिए कूच करेंगे जिसके लिए उनको किसी प्रकार के भी प्रयास करने पडें वह हर हाल में दून पहुंचेंगे।

राकेश टिकैत का कहना है कि जिस तरह से दिव्यांशु जाटराणा की छात्रों के गुट ने मिलकर हत्या कर दी इससे अन्य छात्रों में भी असुरक्षा के भाव पैदा हो रही हैं। उन्होंने कहा कि देहरादून में बढ रहीं छात्रों के साथ अपराध की घटनाओं से वह चिंतित हैं।

गैस सिलेंडर की किल्लत को लेकर महिलाओं ने किया चक्का जाम

हमारे संवाददाता

देहरादून। घरेलू गैस सिलिंडर की लगातार किल्लत को लेकर लोगों का धैर्य टूट गया है। आज सुबह भुड्डी गांव की महिलाओं ने शिमला बाईपास पर सड़क जाम कर दिया। एजेंसी संचालक और जिला आपूर्ति विभाग के खिलाफ नारेबाजी करते हुए उन्होंने प्रदर्शन किया। जिसके चलते वहां लंबा ट्रैफिक जाम लग गया।

बताया जा रहा है कि पिछले कई दिनों से भुड्डी गांव समेत आसपास के इलाकों में गैस सिलिंडर की डिलीवरी बंद पड़ी हुई है। महिलाएं बताती हैं कि ऑर्डर दिए हुए 15-20 दिन बीत चुके हैं, लेकिन सिलिंडर नहीं पहुंचा। कई परिवार रसोई बनाने के लिए लकड़ी और कोयला इस्तेमाल करने को मजबूर हैं। एक स्थानीय महिला ने बताया, "हम रोज सुबह एजेंसी के बाहर लाइन लगाते हैं, लेकिन हर बार यही जवाब मिलता है कि स्टॉक नहीं है। यह समस्या सिर्फ भुड्डी गांव तक सीमित नहीं है। देहरादून के कई अन्य इलाकों में भी इसी तरह की शिकायतें आ रही हैं।

जानकारी के अनुसार आज सुबह 9 बजे के आसपास भुड्डी गांव की करीब 50 महिलाएं शिमला बाईपास पर उतर आईं। उन्होंने एजेंसी संचालक के खिलाफ नारे लगाए और आपूर्ति विभाग को तुरंत कार्रवाई की मांग की। कुछ देर बाद पुरुष सदस्य भी शामिल हो गए। प्रदर्शनकारियों ने सड़क पर बैठकर ट्रैफिक रोक दिया। जिस कारण वहां जाम लग गया।

सूचना मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और बातचीत शुरू की। प्रदर्शनकारियों ने साफ कहा, "जब तक लिखित आश्वासन नहीं मिल जाता कि 48 घंटे के अंदर सिलिंडर पहुंच जाएंगे, हम सड़क नहीं खाली करेंगे।" दो घंटे बाद आश्वासन मिलने के बाद जाम खुला, लेकिन लोगों का गुस्सा अभी भी बरकरार है।

दून वैली मेल

संपादकीय

कांग्रेस का अनंत अंतर्कलह

केंद्र से लेकर यूपी और उत्तराखंड जैसे राज्यों की सत्ता से एक दशक से बाहर रहने वाली कांग्रेस जिसके बारे में यह कहा जाता था कि कांग्रेस को कोई नहीं हरा सकता है उसे कोई हरा सकता है तो वह सिर्फ कांग्रेस ही हरा सकती है। इस सत्य को हम बीते कुछ सालों में चरितार्थ होते देख रहे हैं। लगातार चुनावी असफलताओं ने उन खाटी कांग्रेसी नेताओं को भी आसहज कर दिया है जो पूरे जीवन सिर्फ कांग्रेस के लिए समर्पित रहे। उत्तराखंड में लगातार लोकसभा और विधानसभा के चुनावों में पराजय का मुंह देखने वाली कांग्रेस 2027 में हर हाल में अपनी जीत का दावा करने वाली पार्टी के नेताओं के बीच अभी से जिस तरह से नाराजगी और वर्चस्व की जंग देखी जा रही है उसे लेकर अभी से सवाल उठने लगे हैं। जबकि चुनाव अभी बहुत दूर है। बीते दिनों दिल्ली में भाजपा के आधा दर्जन नेताओं द्वारा कांग्रेस की सदस्यता लेने पर समझा तो यह है जा रहा था कि कांग्रेस ने अभी से भाजपा पर बढ़त बनाना शुरू कर दिया है और इसमें कोई संदेह भी नहीं था कांग्रेस द्वारा ओवर की पहली ही बाल पर छक्का मारने जैसी इस घटना ने भाजपा को भी बहुत हद तक असहज कर दिया था लेकिन इसके साथ ही पूर्व सीएम हरीश रावत द्वारा 15 दिनों के अर्जित अवकाश पर जाने और पार्टी के राजनीतिक आयोजनों से विरत रहने की घोषणा ने सभी को चौंका दिया था। हरीश रावत के इस अवकाश की घोषणा का कारण सार्वजनिक हो चुका है। रामनगर के जाने-माने नेता संजय नेगी को कांग्रेस में शामिल न किया जाना हरीश रावत को इतना नागवार गुजरा कि अब इसे लेकर पार्टी के तमाम नेता आमने-सामने खुलकर आ चुके हैं। धारचूला विधायक हरीश धामी ने हरीश रावत की उपेक्षा पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए यहां तक कह दिया है कि उन्हें विधायकी छोड़ना पड़े तो वह इसके लिए भी तैयार है लेकिन हरीश रावत का साथ नहीं छोड़ सकते हैं। उन्होंने डा. हरक सिंह को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि जो लोग आज पार्टी को नसीहत कर रहे हैं कि किसी एक के आने-जाने से क्या प्रभाव पड़ता है उन्हें 2016 का अपना इतिहास भी देखना चाहिए जब वह अपनी ही सरकार से बगावत कर भाजपा की गोद में जाकर बैठ गए थे। धामी ने उन सभी लोगों को आढे हाथ लेते हुए सांफ कहा है कि अगर वह हरीश रावत को दरकिनार करके 2027 में सत्ता हासिल कर लेंगे तो वह किसी मुगालते में न रहे। भले ही हरीश रावत के नेतृत्व में उन्हें नये क्षेत्रीय दल का गठन करना पड़े। उन्होंने कहा है कि हरीश रावत ने अपनी पूरी जिंदगी कांग्रेस को समर्पित कर रखी है उनकी पार्टी निष्ठा पर सवाल उठाने वाले अपने गिरेबान में झांक के देखें। चुनाव पूर्व पार्टी के अंदर उठने वाले इन बगावती सुरों से यह साफ हो गया है कि प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल भले ही कितने भी फूंक कर कदम रखकर और कांग्रेस नेताओं को एकजुट रखने का प्रयास कर ले लेकिन कांग्रेस के अंदर इस अंर्तकलह से निपटना सबसे कठिन चुनौती है। रंजीत रावत जिनकी हरीश रावत के साथ लंबे समय से अदावत चल रही है के दबाव में संजय नेगी को कांग्रेस में शामिल करने से रोके जाने का यह मुद्दा इतना तूल पकड़ चुका है कि इससे रामनगर की सीट ही नहीं बल्कि कई अन्य सीटों के नतीजे भी प्रभावित हो रहने की संभावनाएं हैं क्योंकि भाजपा संजय नेगी को अपने पाले में खींचने की जुगत में है।

कांग्रेस की बैक टू बैक बैठकें

❑उत्तराखंड दौरे पर रहेंगी कांग्रेस प्रदेश प्रभारी
❑पार्टी के कार्यकर्ताओं के साथ करेंगी बैठकें
❑दिग्गज नेताओं के साथ करेंगी चुनावी चर्चा

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड कांग्रेस में महाभारत पूरे प्रदेश में सुर्खियां बटोर रही है। इसी बीच कांग्रेस प्रदेश प्रभारी कुमारी शैलजा उत्तराखंड दौरे पर आ रही हैं। इस दौरान कुमारी शैलजा पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ बैठकें करके संगठनात्मक रणनीति तैयार करेंगी। इसके साथ ही आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों और अंदरूनी खटपट पर विस्तार से मंथन होने की संभावना है।

प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता प्रतिमा सिंह ने कहा कुमारी शैलजा 8 अप्रैल को रुद्रपुर पहुंचकर पार्टी के सभी वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठक करेंगी। इसके बाद जिला कांग्रेस कमेटी उधमसिंहनगर, महानगर कांग्रेस कमेटी रुद्रपुर और महानगर कांग्रेस कमेटी काशीपुर के पार्टी कार्यकर्ताओं की बैठक और नौ अप्रैल को महानगर कांग्रेस कमेटी कार्यालय स्वराज आश्रम हल्द्वानी में नैनीताल जनपद के सभी विधानसभा क्षेत्र के कार्यकर्ताओं की बैठक में भाग लेंगी।

इसके बाद कोटद्वार में कोटद्वार जनपद व कोटद्वार महानगर कांग्रेस कमेटी के कार्यकर्ताओं से मुलाकात, महानगर कांग्रेस कमेटी के कार्यकर्ताओं के साथ बैठक के बाद हरिद्वार के लिए प्रस्थान करेंगी। हरिद्वार स्थित जयराम आश्रम में हरिद्वार महानगर कांग्रेस कमेटी, हरिद्वार ग्रामीण, रुड़की ग्रामीण एवं रूड़की महानगर कांग्रेस कमेटी के कार्यकर्ताओं के साथ बैठक करेंगी।

11 अप्रैल को नगर कांग्रेस कमेटी मसूरी में आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग करेंगी। इसके बाद देहरादून महानगर कांग्रेस कमेटी, पछ्वादून और परवादून जिला कांग्रेस कमेटी के कार्यकर्ताओं के साथ बैठक करने के बाद शाम पांच बजे से प्रदेश कांग्रेस कमेटी कार्यालय देहरादून में युवा कांग्रेस, महिला कांग्रेस, अल्पसंख्यक विभाग, अनुसूचित जाति विभाग एवं पूर्व सैनिक विभाग के पदाधिकारियों की बैठक लेंगी। अगले दिन देहरादून में भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन की ओर से आयोजित विशाल 'जय भीम-जय हिंद' कार्यक्रम में प्रतिभाग करेंगी।

हत्या मामले फरार आरोपी गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। हत्या मामले में फरवरी माह से फरार चल रहे आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

जानकारी के अनुसार बीती 1 फरवरी को रविदास जयंती शोभायात्रा सकुशल संपन्न होने के उपरान्त शाम को समय करीब 5 बजे पुरानी रंजिश को लेकर आरोपी विशाल द्वारा अपने साथियों के साथ मिलकर गाँव के ही युवक आनंद की गोली मारकर हत्या कर दी थी जिसके पश्चात आनंद के परजनों व उसके परिवार के अन्य लोगों द्वारा आक्रोशित होकर विशाल पक्ष के मांगेराम पुत्र चमनलाल उम्र 55 वर्ष की लाठी डंडों से पीटकर हत्या कर दी गयी थी। तथा विशाल पक्ष के लोगों के घरों में आगजनी कर तोडफोड़ कर शान्ति व्यवस्था भंग की गयी थी। जिस पर दोनों पक्षों की तहरीर पर थाना भगवानपुर पर सम्बंधित धाराओं में मुकदमें दर्ज किये गये। मृतक मांगेराम के पुत्र जोनी की तहरीर पर अनुज पुत्र चन्द्रपाल, टिंकू पुत्र समय सिंह, रोहित पुत्र पदम, असकेन्द्र पुत्र रामपाल, अवनेश उर्फ हनुमान पुत्र गिरधारी लाल, मोहित पुत्र मुनेश, विकास पुत्र लक्ष्मीचन्द, देशराज पुत्र बुद्धु राणा, अशोक पुत्र अतर सिंह, रामानन्द पुत्र इलमचन्द,बबलेश पुत्र सतपाल, भवानी पुत्र पाले राम, हुसनलाल पुत्र अतर सिंह, प्रमोद पुत्र शोभाराम, अक्षय पुत्र पप्पू, सुनील पुत्र पदम, भूपेन्द्र पुत्र रामपाल, जोनी पुत्र सूरत सिंह अन्य निवासी बिनारसी के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत किया गया।

मृतक आनंद के पिता लक्ष्मीचंद की तहरीर पर विशाल पुत्र शेर सिंह, हिमांशु पुत्र तराचंद, सौरभ पुत्र मनीराम विनीत पुत्र देशपाल निखिल पुत्र टीटू, विकसित पुत्र टीटू प्रिंस पुत्र शेर सिंह के विरुद्ध थाना भगवानपुर पर मुकदमा दर्ज किया गया था तथा 'जिस पर गाठित पुलिस टीम द्वारा त्वारित कार्यवाही करते हुये दोनो पक्षो से 11 आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत भेजा गया था तथा फरार आरोपियों की गिरफ्तारी हेतु अलग-अलग टीमे बनाई गई थी।

फरार आरोपियों की तलाश में जुटी पुलिस टीम ने एक सूचना के आधार पर ग्राम बिनारसी से फरार आरोपी बबलेश कुमार पुत्र सतपाल निवासी ग्राम बिनारसी थाना भगवानपुर जनपद हरिद्वार को गिरफ्तार किया गया। जिसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

उत्तराखंड में भारी बारिश का अलर्ट

मौसम विभाग ने उत्तराखंड के 6 जिलों में बारिश को लेकर जारी किया येलो अलर्ट

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। प्रदेश के अधिकतर जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग ने इसके लिए येलो अलर्ट जारी किया है।

बता दें कि उत्तराखंड के पर्वतीय क्षेत्रों में बीते कई दिनों से लगातार बारिश हो रही है और ऊंचाई वाले पहाड़ी क्षेत्रों में बर्फबारी का दौर भी जारी है। देहरादून सहित प्रदेश के मैदानी क्षेत्रों के तापमान में वृद्धि दर्ज की गई है। लेकिन प्रदेश के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में इन दिनों कड़ाके की ठंड पड़ रही है। मौसम विभाग के अनुसार उत्तराखंड के 6 जिलों में भारी बारिश होने की संभावना है।

मौसम विभाग के अनुसार आज उत्तराखंड के देहरादून, उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर और पिथौरागढ़ जिलों के कुछ स्थानों में गर्जन के साथ भारी बारिश होने की संभावना जताई है। वहीं 3500 मीटर व उससे अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी होने की भी संभावना है। प्रदेश के बाकी पर्वतीय जिलों एवं हरिद्वार जिले में गर्जन के साथ बहुत हल्की से हल्की बारिश होने की संभावना है।

भावना कैंथोला के स्थानान्तरण पर पुलिस परिवार ने दी भावभीनी विदाई

संवाददाता

उत्तरकाशी। श्रीमती भावना कैंथोला के पुलिस उपाधीक्षक पद पर प्रमोशन के उपरान्त जनपद अल्मोडा स्थानांतरण पर विदाई दी गयी।

आज 3 मार्च 2026 को पुलिस लाइन उत्तरकाशी में एक भावुक क्षण देखने को मिला जब पुलिस अधीक्षक उत्तरकाशी, श्रीमती कमलेश उपाध्याय की गरिमामयी उपस्थिति में जनपद में नियुक्त निरीक्षक श्रीमती भावना कैंथोला के पुलिस उपाधीक्षक पद पर प्रमोशन के उपरान्त जनपद अल्मोडा स्थानांतरण पर विदाई दी गयी। विदाई समारोह में एसपी उत्तरकाशी द्वारा निरीक्षक कैंथोला को पुलिस उपाधीक्षक के बैच से अलंकृत करने के उपरान्त स्मृति चिन्ह भेंट करते हुये जनपद उत्तरकाशी पोस्टिंग के दौरान उनके द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्यों, समर्पण एवं कर्तव्यनिष्ठा की सराहना करते हुए कहा कि विभिन्न चुनौतियों के बीच आपके द्वारा हमेशा उच्च मनोबल और सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ अपनी जिम्मेदारी निभाई गयी है। आपको उज्ज्वल भविष्य, प्रमोशन एवं नई जिम्मेदारियों के सफल निर्वहन हेतु ढेर सारी शुभकामनाएं। इस अवसर पर साथी पुलिस अधिकारी एवं कर्मियों द्वारा भी स्थानान्तरित अधिकारी को उपहार भेंट कर नवनियुक्ति हेतु शुभकामनाएं दी गयी। सीओ श्रीमती भावना कैंथोला द्वारा भावुक होते हुये उत्तरकाशी पोस्टिंग के दौरान अपने समय को याद करते हुए उच्चाधिकारियों के मार्गदर्शन और अधीनस्थ कर्मियों के निस्वार्थ सहयोग हेतु आभार व्यक्त किया गया। विदाई समारोह के अवसर पर पुलिस उपाधीक्षक उत्तरकाशी जनक सिंह पंवार, प्रतिसार निरीक्षक शिव कुमार, प्रभारी निरीक्षक कोतवाली दिनेश कुमार, प्रभारी निरीक्षक धरासू मनोज असवाल, प्रभारी निरीक्षक मनेरी दीपक नौटियाल, निरीक्षक टीकम सिंह चौहान, उ.नि.(अभिसूचना) राकेश बिष्ट, वाचक कोमल रावत, प्रभारी एसओजी निखिल देव चौधरी, उपनिरीक्षक यातायात लक्ष्मण सिंह चुफाल सहित अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहें।

जिलाधिकारी ने अल्मोड़ा बाजार का किया भ्रमण, साफ-सफाई पर दिए सख्त निर्देश

अल्मोड़ा(आरएनएस)। जिलाधिकारी अंशुल ने मुख्य बाजार का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और स्थानीय लोगों व जनप्रतिनिधियों से बातचीत कर समस्याएं सुनीं। इस दौरान विभिन्न कार्यों को लेकर फीडबैक भी लिया गया। बुधवार को निरीक्षण के दौरान बाजार में शौचालय की कमी को देखते हुए जिलाधिकारी ने संभावित स्थलों का निरीक्षण किया और उपयुक्त स्थानों का चयन करते हुए संबंधित अधिकारियों को शौचालय कॉम्प्लेक्स निर्माण की प्रक्रिया आगे बढ़ाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने शहर की साफ-सफाई व्यवस्था पर विशेष ध्यान देते हुए नगर आयुक्त को नियमित और प्रभावी सफाई सुनिश्चित करने को कहा। साथ ही बाजार में झूलते तारों को व्यवस्थित करने और निर्धारित सीमा से बाहर फड़ लगाने वालों पर कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि फड़ केवल तय स्थानों पर ही लगाए जाएं और अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चलाकर सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि नगरवासियों की समस्याओं का समाधान करना, बेहतर और शांतिपूर्ण वातावरण बनाए रखना और लोगों की सुविधाओं का ध्यान रखना प्रशासन की प्राथमिकता है। इसके लिए आवश्यक सभी कदम उठाए जाएंगे। इस दौरान नगर आयुक्त सीमा विश्वकर्मा, जनप्रतिनिधि और संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

साईपोलू के ग्रामीण बोले रोड नहीं तो वोट नहीं

पिथौरागढ़(आरएनएस)। सड़क सुविधा से वंचित साईपोलू के ग्रामीणों ने आगामी विधानसभा चुनाव बहिष्कार की चेतावनी दी है। बुधवार को स्थानीय लोगों ने कहा कि आजादी के 78 साल बीतने के बाद भी साई पोलू? गांव सड़क से जुड़ नहीं सका है। इससे ग्रामीणों को तरह-तरह की समस्यायों से जूझना पड़ रहा है। कहा कि कई किमी पैदल पीठ में राशन ढोहने या खच्चरों से ढुलान के बाद तब कहीं परिवार के सदस्यों को दो वक्त का भोजन नसीब होता है। ग्रामीणों ने कहा कि सबसे अधिक दिक्कत गांव में किसी के बीमार होने पर होती है। डोली के सहारे वह रोगी को अस्पताल तक पहुंचाते हैं। कहा कि सड़क निर्माण को लेकर लगातार आवाज उठा रहे हैं, लेकिन राहत नहीं मिल रही। इधर जिला पंचायत सदस्य भावना दानू ने कहा कि जन-जन की सरकार जन-जन के द्वारा न्याय पंचायत दरकोट, बुई, मदकोट शिविर में भी उन्होंने सड़क निर्माण की मांग उठाई, लेकिन सड़क निर्माण को लेकर अब तक कोई सकारात्मक पहल नहीं हुई है।

20 सूत्रीय कार्यक्रम में पिछड़े विभागों पर डीएम सख्त

अल्मोड़ा(आरएनएस)। कलेक्ट्रेट में आयोजित बैठक में जिलाधिकारी अंशुल सिंह ने 20 सूत्रीय कार्यक्रम की प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने विभागवार कार्यों, तय लक्ष्यों और अब तक की उपलब्धियों की जानकारी ली। समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने कम प्रदर्शन करने वाले विभागों पर नाराजगी जताते हुए स्पष्ट कहा कि लक्ष्य के सापेक्ष उपलब्धि सुनिश्चित की जाए। उन्होंने बताया कि 20 सूत्रीय कार्यक्रम सरकार का महत्वपूर्ण और महत्वाकांक्षी कार्यक्रम है, जिसके तहत विभिन्न विभागों के कार्यों के आधार पर रैंकिंग तय की जाती है। उन्होंने निम्न रैंकिंग प्राप्त विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि कार्यों का क्रियान्वयन पारदर्शी और प्रभावी तरीके से करते हुए रैंकिंग में सुधार लाया जाए। साथ ही अधिकारियों को फील्ड स्तर पर जाकर योजनाओं के क्रियान्वयन की निगरानी करने और लक्ष्य समय पर पूरा करने के निर्देश भी दिए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी रामजी शरण शर्मा, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ प्रवीण कुमार, नगर आयुक्त सीमा विश्वकर्मा, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी रेणु भंडारी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

बछेलीखाल से मूल्यागांव तक हाईवे पर मलबा

श्रीनगर गढ़वाल(आरएनएस)। ऋषिकेश-बदरीनाथ हाईवे पर बछेलीखाल से मूल्यागांव तक कई स्थानों पर आया मलबा अभी तक नहीं हटाया गया है। ऐसे में यह मलबा चारधाम यात्रा की रफ्तार में बाधक बन सकता है। हालांकि चारधाम यात्रा की सुरक्षा को देखते हुए संवेदनशील स्थानों को चिह्नित कर सुधार कार्य तेज कर दिए गए हैं। वर्तमान में तोताघाटी के ऊपरी हिस्से बछेलीखाल से तीनधारा, देवप्रयाग महाविद्यालय, मूल्यगांव और एनएचपीसी बैंड जैसे क्षेत्र भूस्खलन के लिहाज से अत्यधिक संवेदनशील बने हुए हैं। बछेलीखाल, धौलीधार और शिवमूर्ति पंतगांव के पास लगातार मलबा आने से राजमार्ग कई जगहों पर संकरा हो गया है। यात्रा सीजन शुरू होने में अब मात्र कुछ ही दिन का समय शेष रहने से इन स्थानों पर सड़कों की स्थिति सुधारना चुनौती साबित होगा। वहीं एनएच के अधिशासी अभियंता राजबीर सिंह चौहान ने बताया कि चारधाम यात्रा की संवेदनशीलता को देखते हुए कौडियाला से मूल्यगांव तक विशेष अभियान चलाया जा रहा है। बछेलीखाल धौलीधार जैसे अति-संवेदनशील स्थानों पर दो मशीनें लगातार मलबा हटाने और चौड़ीकरण के काम में लगी हुई हैं जिसे एक सप्ताह में पूरा कर लिया जाएगा। संवेदनशील स्थानों पर मशीनें भी तैनात की गई हैं ताकि यात्रा मार्ग पर जाम की स्थिति न बने और यातायात सुचारु रहे। पहाड़ियों के स्थायी ट्रीटमेंट और पुश्ता निर्माण का कार्य दिसंबर तक जारी रहेगा जिससे भविष्य में इन भूस्खलन क्षेत्रों को पूरी तरह सुरक्षित किया जा सके।

धूल और शोर से परेशान ग्रामीणों ने पांच घंटे तक रोके डंपर

चमोली(आरएनएस)। रेलवे लाइन निर्माण कार्य से उड़ती धूल और प्रेशर हॉर्न के शोर से गुस्साए कालेश्वर के ग्रामीणों ने आक्रोश जताया।

उन्होंने मलबे के निस्तारण में लगे डंपरों को साढ़े पांच घंटे तक रोके रखा और कार्यदायी कंपनियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। कंपनी के प्रोजेक्टर मैनेजर मौके पर पहुंचे और मांगों पर जल्द सकारात्मक कार्रवाई का आश्वासन दिया। इसके बाद ग्रामीण शांत हुए और डंपरों का संचालन दोबारा शुरू हो सका। ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेलवे निर्माण कार्य के मलबे को डंपर के जरिये लंगासू के पास डंप किया जा रहा है। वहीं डंपरों के संचालन से कालेश्वर की सड़क भी क्षतिग्रस्त हो गई है। साथ ही इनसे उड़ने वाले धूल से लोगों को सांस संबंधी दिक्कतें भी हो रही हैं। ऐसे में बुधवार को एसटी मोर्चा के जिलाध्यक्ष मनोज रावत के नेतृत्व में कालेश्वर के ग्रामीणों ने सुबह 9 बजे रेलवे कंपनी के कार्यों में लगे सभी डंपरों को रेलवे पुल के पास रोक दिया।

मनोज रावत और ग्राम प्रधान पूजा देवी ने कहा कि डंपर चालक रात में तेज रफ्तार के साथ प्रेशर हार्न के साथ तेज रफ्तार में दौड़ रहे हैं। रेलवे निर्माण में लगी कंपनी की ओर से नाली निर्माण भी अधूरा छोड़ा गया है। आंदोलन को देखते हुए दोपहर करीब 2 बजे राही और मैक्स कंपनी के प्रोजेक्टर मैनेजर मौके पर पहुंचे। उन्होंने चार अप्रैल को स्वास्थ्य शिविर का आयोजन करने, सड़क पर नियमित पानी का छिड़काव करने, आधे अधूरे कार्यों को जल्द पूरा करने, वाहनों के आवागमन के लिए सीमा तय करने का आश्वासन दिया। इसके बाद ग्रामीण शांत हुए और ढाई बजे डंपरों को जाने दिया।

इस मौके पर गोमती देवी, जयंती, रुचि, कमला देवी, रैबा रावत, रुपा, आशा, बबीता, करिशमा, गोमती देवी आदि मौजूद रहे।

रानीखेत कोतवाली ने केंद्रीय विद्यालय में चलाया जागरूकता अभियान

अल्मोड़ा(आरएनएस)। जनपद में चलाए जा रहे जनजागरूकता अभियान के तहत कोतवाली रानीखेत पुलिस ने केंद्रीय विद्यालय रानीखेत में छात्र-छात्राओं को साइबर अपराधों से बचाव, यातायात नियमों के पालन और नशे से दूर रहने के प्रति जागरूक किया।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को आत्मरक्षा के मूलभूत टिप्स भी दिए गए, जिससे उनका आत्मविश्वास बढ़ा। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक चंद्रशेखर घोड़के के निर्देशों पर यह अभियान संचालित किया जा रहा है। प्रभारी निरीक्षक भुवन चन्द्र जोशी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने विद्यालय में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। इस दौरान पुलिस टीम ने विद्यार्थियों को डिजिटल अरेस्टिंग, फर्जी कॉल, ओटीपी धोखाधड़ी, ऑनलाइन गेमिंग और ऐप के माध्यम से होने वाली ठगी जैसे साइबर अपराधों से बचने के उपाय बताए। साथ ही सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग के बारे में भी जानकारी दी गई।

जीबी पंत पार्क में 2.47 लाख के सौंदर्यीकरण कार्यों का लोकार्पण

अल्मोड़ा(आरएनएस)। नैनीताल बैंक लिमिटेड के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुशील कुमार लाल ने जीबी पंत पार्क में 2.47 लाख रुपये की लागत से कराए गए सौंदर्यीकरण एवं विकास कार्यों का लोकार्पण किया। कार्यक्रम में महापौर अजय वर्मा विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। इस अवसर पर सुशील कुमार लाल ने कहा कि नैनीताल बैंक सामाजिक दायित्व के तहत विभिन्न गतिविधियों में सक्रिय रूप से भागीदारी कर रहा है और उत्तराखंड के समग्र विकास में अपनी जिम्मेदारी निभाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि बैंक राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं में भी सक्रिय सहयोग कर रहा है और भविष्य में भी समाज एवं राज्य के विकास के लिए ऐसे प्रयास जारी रखेगा। महापौर अजय वर्मा ने बैंक प्रबंधन का आभार जताते हुए सामाजिक एवं आर्थिक गतिविधियों में उसकी भागीदारी की सराहना की। उन्होंने कहा कि नगर निगम अल्मोड़ा बैंक के कार्यों को आगे बढ़ाने में हर संभव सहयोग प्रदान करेगा। कार्यक्रम में नगर के गणमान्य नागरिकों के साथ बैंक के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। उपस्थित प्रमुख लोगों में उप क्षेत्रीय प्रबंधक दिगंबर कठैत, एलआर साह रोड शाखा के शाखा प्रबंधक प्रकाश पुजारी, एलएम रोड शाखा के शाखा प्रबंधक नवीन चुफाल, चंद्रशेखर तिवारी, लक्ष्य मिश्रा, तोले सिंह बिष्ट, आशीष रावत और अभिषेक पंत शामिल रहे। अंत में वंदना सुयाल ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

आमथल में बांटी पाठ्य पुस्तकें

पिथौरागढ़(आरएनएस)। थल के राजकीय उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय आमथल में पाठ्य पुस्तकों का वितरण किया गया। बुधवार को प्रधानाध्यापक आनंद स्वरुप ने कक्षा 6 - 10 तक के विद्यार्थियों को सात विषयों की पुस्तकें वितरित की। इस दौरान शिक्षक विनोद भैसोड़ा,संजय चंद,ज्योति कठायत,वीरेंद्र कार्की,रजनीश पाठक,संतोष कुमार,राजू रावत सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

सड़क सुविधा से नहीं जुड़ पाया हरिनगर लेटाल गांव

चमोली(आरएनएस)। विकासखंड के अनुसूचित बहुल गांव हरिनगर लेटाल गांव आज तक सड़क सुविधा से नहीं जुड़ पाया है। स्थिति यह है कि बीमार, गर्भवती को अस्पताल पहुंचाने के लिए डंडी-कंडी का सहारा रहता है। हरिनगर लेटाल में 80 से अधिक परिवार रहते हैं। यहां की जनसंख्या 500 से अधिक है लेकिन दशकों बाद भी इस गांव तक न तो लोक निर्माण विभाग और न पीएमजीएसवाई ने सड़क बनाने की पहल की। ग्रामीण सड़क की मांग को लेकर कई वर्षों से आंदोलन कर रहे हैं। कई बार तहसील और ब्लॉक के साथ ही लोनिवि कार्यालय में भी प्रदर्शन कर चुके हैं। ग्राम प्रधान चमेली देवी का कहना है कि सड़क नहीं होने से बरसात में बच्चे स्कूल नहीं जा पाते हैं। बुजुर्ग और गर्भवती महिलाओं के बीमार होने पर डंडी-कंडी के सहारे तीन किमी पैदल चलकर अस्पताल पहुंचाना पड़ता है। हेम चंद्र, मुन्नाराम, आलम राम, हेमा देवी आदि का कहना है कि यदि इस बार सड़क नहीं बनी तो वे विस चुनावों में प्रतिभाग नहीं करेंगे। वहीं इस संबंध में पीएमजीएसवाई के सहायक अभियंता धीरेंद्र भंडारी का कहना है कि हरिनगर लेटाल के लिए मार्ग का सर्वे किया गया लेकिन बांज-बुरांश के अधिक पेड़ आने से अब एलाइनमेंट बदलना पड़ेगा। जल्द दूसरा सर्वे किया जाएगा।

पारंपरिक ज्ञान को आधुनिक शोध तकनीकों के साथ समन्वित करें

श्रीनगर गढ़वाल(आरएनएस)। एचएनबी गढ़वाल केंद्रीय विवि में शिक्षा और भौतिकी विभाग की ओर से आईसीएसएसआर (भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद) पर दस दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य भारतीय ज्ञान प्रणाली और शोध पद्धति के समन्वय से शिक्षकों एवं शोधार्थियों को सैद्धांतिक तथा व्यावहारिक दृष्टि से सशक्त बनाना है। इस मौके पर वक्ताओं ने पारंपरिक ज्ञान को आधुनिक शोध तकनीकों के साथ समन्वित करने पर जोर दिया।

बतौर मुख्य अतिथि केंद्रीय संस्कृत विवि रघुनाथ कीर्ति परिसर देवप्रयाग के निदेशक प्रो. पीवीबी सुब्रमण्यम ने कहा कि यह प्रणाली भविष्य के शिक्षकों के लिए अत्यंत आवश्यक है। कुलपति प्रो. श्रीप्रकाश सिंह ने कहा कि शोध कार्य केवल औपचारिकता नहीं बल्कि एक जिम्मेदारीपूर्ण प्रक्रिया है। एक शोधार्थी को अपने कार्य को प्राथमिकता देते हुए लेखन, अध्ययन और अकादमिक गतिविधियों के प्रति पूर्णत: समर्पित रहना चाहिए। रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेल (आरडीसी) चौरास परिसर के निदेशक प्रो. राजेंद्र सिंह नेगी ने कहा कि शिक्षा और शोध तभी सार्थक होंगे जब उनके परिणाम समाज और विद्यार्थियों के जीवन में प्रत्यक्ष प्रभाव डालें। इस मौके पर डीन रिक्रूटमेंट और प्रमोशन प्रो. मोहन सिंह पंवार, डीन प्रो. टीसी उपाध्याय, कार्यशाला निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह, सह-कोर्स निदेशक डॉ. आलोक सागर गौतम आदि मौजूद रहे। संचालन डॉ. अनुराही ने किया।

चिड़चिड़े बच्चों को संभालने के लिए क्या करें

आजकल मां और बाप दोनों ही वर्किंग होते हैं और ऐसे में बच्चा अधिकतर समय दादा-दादी या डे-केयर में बिताता है। बच्चे की जो परवरिश मां-बाप कर सकते हैं, वो कोई और नहीं कर सकता है। वर्किंग पैरेंट्स को अपने बच्चों की परवरिश को लेकर कई तरह की समस्याएं आती हैं जिनमें से एक है बच्चे का चिड़चिड़ा व्यवहार।

जहां मां और बाप दोनों काम करते हों, वहां अक्सर पैरेंट्स बच्चों के लिए समय नहीं निकाल पाते हैं और इसका असर कुछ यूं निकलता है कि बच्चे जिद्दी और चिड़चिड़े हो जाते हैं।

अगर आपका बच्चा भी जिद्दी और चिड़चिड़ा हो गया है तो यहां बताए गए टिप्स की मदद से आप उसे ठीक तरह से हैंडल कर सकते हैं। यदि आप सच में चाहते हैं कि आपका बच्चा संस्कारी और आज्ञाकारी बने तो उसकी हर जिद पूरी करने की जरूरत नहीं है। हर बच्चा जिद करता है और अगर उसकी सारी मांगों को पूरा कर दिया जाए तो इससे बच्चे में अपनी बात मनवाने के लिए जिद करने और गुस्सा करने की प्रवृत्ति पैदा होने लगती है। दोनों पैरेंट्स मिलकर बच्चे को समझाएं कि क्या सही और गलत है। आप दोनों के एकसाथ बात करने से यकीनन उसे आपकी बात समझ आ जाएगी। बच्चे तो होते ही शैतान हैं और उनके लिए अपनी बात मनवाने का एक ही रास्ता होता है गुस्सा करना, जिद करना या चिड़चिड़ा व्यवहार करना। अगर आपका बच्चा गुस्सा करता है या कोई गलत हरकत करता है तो उसे डांटे या मारे नहीं। इससे उसका व्यवहार और गलत होता चला जाएगा। बच्चों के साथ संयम और धैर्य के साथ पेश आना चाहिए वरना उनका व्यवहार और खराब होता चला जाएगा। अक्सर पैरेंट्स पढ़ाई, खेल या किसी भी अन्य चीज को लेकर दूसरे बच्चों से अपने बच्चों की तुलना करने लगते हैं। बच्चों के चिड़चिड़ा और जिद्दी बनने का एक कारण यह भी हो सकता है। अगर आपको लग रहा है कि आपका बच्चा इस वजह से चिड़चिड़ा व्यवहार करने लगा है तो ऐसा करना बंद कर दें।

जब भी आपका बच्चा कुछ अच्छा करता है तो उसकी तारीफ करें और उसे आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करें। पैरेंट्स का ये फर्ज बनता है कि अपने बाकी कामों की तरह बच्चों के लिए भी समय जरूर निकालें। दिनभर बच्चा आपके बिना रहता है तो कम से कम रात को सोने से पहले उससे बात जरूर करें। बच्चे से उसके स्कूल और पढ़ाई के बारे में पूछें। समय निकालकर बच्चों के साथ खेलें। जब आप उसके साथ उसके खेलों में शामिल होंगे तो उसे आप अपने दोस्त जैसे लगेंगे जिससे वो अपने दिल की हर बात कह सकता है। इस तरह आपका साथ और प्यार बच्चों को जिद्दी और चिड़चिड़ा होने से रोक सकता है। पैरेंट्स ही हैं जो बच्चे को जिद्दी और चिड़चिड़ा होने से रोक सकते हैं। अब अगर आप अपने बच्चे के चिड़चिड़े व्यवहार से परेशान हैं तो ऊपर बताई गई बातों पर गौर जरूर करें।

पेट और जांघों की चर्बी को खत्म करेंगे ये आसन, थकान हटाने में करेगा मदद

शरीर में खोई हुई एनर्जी को वापस पाने और पेट व जांघों के फैट को कम करने के लिए उष्ट्रासन या कैमल पोज को करने की विधि और उसके फायदे बता रहे हैं। अगर आप हमेशा सुस्त महसूस करते हैं और आपको लगता है जैसे कि शरीर में एनर्जी ही नहीं है तो इसके लिए आपको अपनी दिनचर्या में योग को शामिल करने की जरूरत है। थकान बहुत-सी शारीरिक परिस्थियों जैसे तनाव, खराब खान-पान, आलस और ठीक से नींद न आने की वजह से होती है।

तो इसमें योग आसन उष्ट्रासन या कैमल पोज आदि के जरिए हम एनर्जी को बढ़ा सकते हैं, स्पाइन में लचीलापन बेहतर कर सकते हैं, स्ट्रेस को कम कर सकते हैं, पाचन क्रिया को बेहतर कर सकते हैं और पेट व जांघों को टोन कर सकते हैं। उष्ट्रासन पूरी फ्रंट बॉडी को खोलता है जो कि पूरे शरीर के लिए बहुत ज्यादा ताकतवर साबित होता है। अगर आप थकान महसूस करते हैं तो इस योग आसन का रोजाना अभ्यास करके एनर्जी को वापस पा सकते हैं और पूरे जीवन को अच्छे से जी सकते हैं।

उष्ट्रासन कैसे करें:

- अपने योग मैट पर अपने घुटने टेक कर बैठें।
- हाथों को अपने कूल्हों पर रखें।
- यह ध्यान रहे कि आपके घुटने आपके कंधों की कतार में होने चाहिए।
- पीछे की ओर झुक जाएं और अपने हाथों को पीछे ले जाकर अपनी एड़ी को पकड़ लीजिए।
- इसी के साथ, अपनी गर्दन को झुकाएं और अपनी कमर के हिस्से को धक्का देने के लिए अपनी गर्दन और सिर को पीछे ले जाएं।
- कुछ सांस लेने तक इसी आसन में बने रहिए।
- सांस छोड़िए, धीरे-धीरे अपने हाथों को एड़ियों से अलग कीजिए और उन्हें कूल्हों की ओर वापस ले जाएं और वापस शुरुआती मुद्रा में आ जाएं।
- कुछ देर रुकिए और फिर से उसी प्रक्रिया को दोहराइए। जब तक आपको आराम मिलता है तो आप इसे कई बार कर सकते हैं।

उष्ट्रासन करने के फायदे:

- यह शरीर को पूरा खोलता है और स्ट्रेच करता है।
- यह पेट को टोन करता है और फैट कम करने में मदद करता है।
- यह पाचन में सुधार करता है और कब्ज खत्म करता है। (आरएनएस)

ईरान बनाम इस्रायल-अमेरिका: पाक की हांडी में सुलह की खिचड़ी

डॉ. सुधीर सक्सेना

अपनी सामरिक गणित के फेल हो जाने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप मध्यपूर्व के दिनोंदिन पेचीदा और विकराल होते जाते बखेड़े से पाँव बाहर खींचने के फेर में हैं। दिलचस्प तौर पर इसके लिये उन्होंने अपने पिट्ठू पाकिस्तान के राष्टाध्यक्ष असीम मुनीर को चुना है और फिलहाल इस्लामाबाद में दोनों जंगजू पक्षों के दरम्यां सुलह की बातचीत चल रही है। इस्लामाबाद में चूल्हे पर हांडी चढ़ा दी गई है। बिला शक अमेरिका किसी भी विधि इस तरह पाँव पीछे खींचना चाहता है कि उसकी नाक बची रहे और उसके शर्मनाक और अपमानजनक अभियानों की फेहरिस्त में वियेतनाम और अफगानिस्तान के बाद ईरान का नाम न जुड़े। ट्रंप के पांच दिनों के इकतरफा युद्धविराम और ईरानी ठिकाने पर ताजा हमले के लिये इस्रायल को डंपटने के पीछे यही भेद छिपा है।

इस बात में शक नहीं है कि ट्रंप अपने ही खब्त की गिरफ्त में हैं। वह कब क्या कर बैठेगें, वह खुद नहीं जानते। उनके मन में वैश्विक मर्यादाओं और राष्टों की संप्रुभता के प्रति कोई सम्मान नहीं है। निस्संदेह, उनकी मुहिम गैरजरूरी थी और नितांत विफल रही है। 28 फरवरी को छेड़ी गई इस मुहिम के पहले ही दौर में धार्मिक नेता अयातुल्लाह खामेनेई को उनकी मांद में मार गिराने तक सब ठीक था, लेकिन उसके बाद ट्रंप के सारे पांसे और अंदाजे गलत निकले। मोज्तबा खामेनेई पर वार और लारीजानी की हत्या व्हाइट हाउस की भूल गलती सिद्ध हुई। विज्ञान में स्नातक और इमैनुएल कांट के दर्शन पर पीएचडी किये लारीजानी सूझबूझ भरे ऐसे परिपक्व और प्रभावशाली नेता थे, जिनसे बातचीत की जा सकती थी, लेकिन उनकी हत्या के बाद नेतृत्व इस्लामी गार्डों की उस छितरी हुई टोली के हाथ में चला गया, जिसमें कोई ऐसा चेहरा नहीं था, जिसका सैन्य बल और अवाम में रसूख हैं। इस बीच ईरान ने अड़ोस-पड़ोस के अमेरिकी पिट्ठुओं बहरीन, सऊदी, अरब, अरब अमीरात, कतर और ओमान तथा सुदूर दियागोगार्सिया में अड्डों पर प्रहार कर अपनी अचूक मारक क्षमता का बखूबी एहसास करा दिया। दूसरे इस्रायल के आयरन-डोम यानि लौह गुंबद या छतरी का बहुप्रचारित और गालबजाऊ मिथ भ्रांति सिद्ध हुआ। मध्यपूर्व के मुल्कों के निर्लवण-संयंत्र ईरान की सीधी जद में थे और होर्मुज जलडमरूमध्य का तुरूप का पत्ता ईरान की जेब में। तीन हफ्ता से ज्यादा की जंग ने तस्दीक कर दी थी कि ईरान घुटने नहीं टेकेगा और उसे तबाही गवारा है, मगर शिकस्त नहीं। यह भी साफ हो गया कि न तो कोई ईरानी गुल्लू बनने को तैयार है और न ही आर्य मेहर रजाशाह पहलवी के साहेबजादे की तेहरान वापसी में ईरान अवाम की कोई रूचि है। उलटे जियोनवादी आक्रमण ने ईरानी अवाम को मुसीबातें और दमन के बावजूद इस्लामी सत्ता के पक्ष में एकजुट कर दिया।

ये ही वे सन्दर्भ हैं, जिनके चलते ट्रंप ने पहले तुर्किये के राष्टपति एर्दोगान को टटोला। बात बनी नहीं तो उनकी नज़र पाकिस्तान के सीडीसी मुनीर पर गयी। मुनीर ने एर्दगान से बात की और फिर तार जुड़े काहिरा यानि मिस्र से। सौ करोड़ डॉलर की बोली लगी। हामी के बाद ईरानी मजलिस के स्पीकर गालीबफ पर मध्यस्थों की नजर गयी। इस बीच रूस के राष्टपति पुतिन अपने तईं सक्रिय थे1 उन्होंने यूएई, कतर और ईरान से संपर्क साधा।

दूरभाष पर मैराथन चर्चा हुई। पुतिन ने स्पष्ट कर दिया कि रूस ईरान को तबाही के रास्ते पर नहीं छोड़ सकता, क्योंकि वह उसका रणनीति साथी और मित्र है। इस बीच रूसी विदेश मंत्री सेर्गेई लावरोव के इस आशय के बयान ने अमेरिका-इस्रायल की पेशानी पर सलें डाल दीं कि वे ईरान की मिसाइल समेत सामरिक क्षमता को कमतर न आंके। इस बात की तस्दीक हो गई है कि लावरोव ने ईरानी विदेश मंत्री अरागाची से फोन पर लंबी बातचीत की। बहरहाल, घड़ी के कांटे ऐसे घूमे कि आईआरजीसी की रजामंदी से गालीबफ को इस्लामाबाद लाया गया। ताबड़तोड़ दो दौर की बातचीत हुई। मेज के दूसरी ओर ट्रंप के दामाद कुश्नर और विटकोफ बैठे तो गालीबफ भड़क गये। उन्होंने दोनों को दफा करने की दो टूक में संकोचनहीं किया। उन्होंने आगे की वार्ता के लिए वांस का नाम सुझाया। वांस यानि ट्रंप के डिप्टी जेडी वांस। जाहिर हे कि तेल अवीव और वाशिंगटन को वांस का नाम रास नहीं आया, क्योंकि वांस अपेक्षत- नरम हैं।

फिलवक्त काठ की हांडी चूल्हे पर है और अमेरिकी तैयारी भी जारी है। अतिरिक्त मरीन भेजे जा रहे हैं। ईरानी विदेश मंत्री अरागाची को दरकिनार करने के अपने निहितार्थ है। ईरान हर्जाने और अनाक्रमण संधि पर मान सकता है। ट्रंप सांसत में हैं। 13 हजार करोड़ रोजाना फूंक रहे ट्रंप ने 20 लाख करोड़ की कांग्रेस से डिमांड की है। यदि सुलह होती है तो भय में गोंते खा रहे अमेरिका के पिट्ठू मुल्क चैन की सांस लेंगे। ईरान पाक नगीच आये तो बलूचिस्तान का मसला ठंडा होगा। मिस्र शरणार्थियों से बचेगा और तुर्किये अनेक बवाल से बड़ी बात की पाकिस्तान को अपनी पीठ थपथपाने और शेखी बघरने का मौका मिलेगा। गौरतलब है कि ईरान के सुप्रीम लीडर मोज्तबा खामेनेई का इलाज मसक्का में चल रहा है। दिल्ली में ईरान के राजदूत डॉ. हकीम इलाही भारत की जनता के बेइंतहा समर्थन से भावविगलित हैं। दिल्ली में शोक सहानुभूति और एकजुटता के इजहार के लिए ईरानी दूतावास के सामने जिस तरह लंबी कतारे लगीं, उसने भारत और ईरान के प्राचीन रिश्तों पर मोहर लगा दी।आ

शब्द सामर्थ्य -089

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं
1. समाप्ति, खात्मा 3. रोगी, बीमार 5. गंभीरता, गहराई 6. बलपूर्वक, जबरदस्ती, व्यर्थ 9. लानत, तिरस्कार सूचक एक शब्द 10. लक्ष्मी, कमला 11. औषधालय 13. नाव खेने का लकड़ी का यंत्र 14. सतह, 'लेवल' 15. बिजली, तड़ित 17. चौकसी, सावधानी, बचाव 19. कहने वाला, वाचनकर्ता 20. सुंदर, अच्छा, बढ़िया 21. लगातार, तड़-तड़ करते हुए।

ऊपर से नीचे
1. शरीर का कोई भाग, शरीर 2. खोज-बीन, जांच-पड़ताल 3. वोट देने का हक 4. जो अत्यधिक शक्तिशाली व कठोर प्रकृति का हो, दृढ़, मजबूत 7. बरसात, पावस, बारिश 8. भरना, अटना, अंदर करना 12. घटना, हादसा, दुर्घटना 13. लिबाज़, पहनने का ढंग 16. नीला वस्त्र पहने वाला, नीला वस्त्र 17. ऐक्य, एक होने का भाव 18. दिल्ली स्थिति प्रसिद्ध जेल।

1	2	■	3		4	■	■	■
5				■	6		7	8
■		■	9			■	10	
■		■		■	11	12		
13				■	14		■	■
	■	■	■	■	■	15		16
	■	17		18			■	
19			■		■	■	20	
■	■	21					■	

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 88 का हल

वा	स्ता	■	■	सि	स	की	■	■
जि	■	ल	प	ट	■	मा	चि	स
ब	द	ला	■	क	■	■	ल	■
■	■	ट	■	नी	ल	क	म	ल
ता	ली	■	का	■	की	■	■	हू
क	■	स	रो	का	र	■	■	लु
झां	■	ज	बा	न	■	म	सी	हा
क	च	ना	र	■	भा	र्या	■	न
■	र्म	■	■	ज	र	दा	■	■

धुरंधर 2 बनी बॉलीवुड की दूसरी सबसे कमाऊ फिल्म, पुष्पा 2 को पछाड़ा

धुरंधरः द रिवेंज अपनी रिलीज के 11 दिन पूरे कर चुकी है. इन 11 दिनों में धुरंधर ने बॉलीवुड की दूसरी सबसे कमाऊ फिल्म का टैग अपने नाम कर लिया है. इस लिस्ट में धुरंधर 2 ने शाहरुख खान की सबसे कमाऊ फिल्म जवान को पीछे छोड़ दिया है. अब धुरंधर के रास्ते में दंगल ही बची है. दंगल का रिकॉर्ड टूटने के बाद धुरंधर 2 बॉलीवुड की सबसे कमाऊ फिल्म का टैग ही नहीं बल्कि इंडियन सिनेमा की सबसे कमाऊ फिल्म का टैग अपने नाम कर लेगी.

सैकनिल्क के अनुसार, धुरंधर 2 ने इंडियन बॉक्स ऑफिस पर 10वें दिन 62.85 करोड़ रुपये और 11वें दिन 68.10 करोड़ रुपये कमाए हैं. 11वें दिन फिल्म की कमाई में 48.5 फीसदी उछाल आया है. इस तरह भारत में धुरंधर 2 का नेट कलेक्शन 847.51 करोड़ रुपये हो गया है. 11वें दिन हिंदी में धुरंधर 2 का ऑक्यूपेंसी रेट 50 फीसदी, कन्नड़ में 34 फीसदी, मलयालम में 39 फीसदी, तमिल में 44 फीसदी और तेलुगु में 36 फीसदी दर्ज हुआ है. धुरंधर 2 ने कमाई में एक और माइलस्टोन अपने नाम कर लिया है. हिंदी कलेक्शन में धुरंधर ने अल्लू अर्जुन की पुष्पा 2 (836.09 करोड़ रुपये) को पछाड़ दिया है. इसी के साथ में हिंदी में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन गई है. इसी के साथ धुरंधर 2 ने दूसरे रविवार सबसे ज्यादा कलेक्शन करके धुरंधर (58.20 करोड़ रुपये), पुष्पा 2 (54 करोड़ रुपये), छावा (41.1 करोड़ रुपये), स्त्री 2 (40.75 करोड़ रुपये), गदर 2 (38.90 करोड़ रुपये) को पछाड़ दिया है. धुरंधर 2 ने दूसरे रविवार 68.71 करोड़ रुपये कमाए हैं. इसी के साथ धुरंधर ने अपने प्रीक्वल धुरंधर के लाइफलाइम कलेक्शन (13.07.5 करोड़ रुपये) के रिकॉर्ड को तोड़ दिया है. सैकनिल्क के अनुसार, धुरंधर 2 ने 11 दिनों में वर्ल्डवाइड 1363.15 करोड़ रुपये कमाए हैं, जिसमें इंडिया में 1013.15 करोड़ रुपये और ओवरसीज से 350 करोड़ रुपये का कारोबार किया है. आदित्य धर के निर्देशन में बनी फिल्म धुरंधर 2 में रणवीर सिंह, संजय दत्त, अर्जुन रामपाल, आर माधवन और सारा अर्जुन अहम रोल में नजर आ रहे हैं.

फिल्म रामायण के प्रोमो को सेंसर बोर्ड ने दिखाई हरी झंडी

रणबीर कपूर की फिल्म रामायण इस साल की सबसे प्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। हाल ही में, निर्माता नमित मल्होत्रा ने आधिकारिक ऐलान किया था कि फिल्म में श्रीराम बने रणबीर की पहली झलक को हनुमान जयंती के अवसर पर जारी किया जाएगा। हालिया अपडेट के मुताबिक, सेंसर बोर्ड ने प्रोमो को हरी झंडी दिखा दी है और इसकी अवधि का खुलासा हो गया है। आइए जानते हैं कि प्रोमो में किन-किन किरदारों की पहली झलक दिखेगी। रिपोर्ट के अनुसार, रामायण के प्रोमो को केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड ने हरी झंडी दिखा दी है। इसकी कुल अवधि 2 मिनट 38 सेकंड है। सूत्रों की मानें तो, यह झलक 2 अप्रैल, यानी हनुमान जयंती पर सुबह 10ः30 से 11ः30 बजे के बीच जारी की जाएगी। प्रोमो में मुख्य फोकस रणबीर पर रखा जाएगा जो फिल्म में भगवान श्रीराम के किरदार को जीवंत कर रहे हैं। वह पहली बार किसी पौराणिक फिल्म का हिस्सा बने हैं। रणबीर के अलावा, प्रोमो में साई पल्लवी की पहली झलक को दिखाया जाएगा जो माता सीता के किरदार में हैं। इसके अलावा, भगवान हनुमान के रूप में सनी देओल और रावण के किरदार में यश की झलक को पेश किया जाएगा। नितेश तिवारी द्वारा निर्देशित रामायण, भारतीय सिनेमा में बन रही सबसे महत्वाकांक्षी फिल्मों में से एक है। दिवाली, 2026 को यह सिनेमाघरों में दस्तक देगी। वहीं महाकाव्य का दूसरा भाग दिवाली, 2027 में रिलीज किया जाएगा।

धुरंधर 2 की सुनामी के आगे मामूली बजट की फिल्म आडू 3 ने कर डाली बंपर कमाई

जयसूर्या की फ़िल्म आडू 3 बॉक्स ऑफ़िस पर रिकॉर्ड तोड़ रही है. ये साल 2026 की सबसे ज़्यादा कमाई करने वाली मलयालम फ़िल्म बन चुकी है. दिलचस्प बात ये है कि इस फ़ैंटेसी कॉमेडी को सिर्फ़ 10 दिनों में ही हिट का दर्जा मिल गया था और ये अब प्रकंबनम के साथ मुनाफ़ा कमाने वाली फ़िल्मों की लिस्ट में शामिल हो गई है. इसी के साथ चलिए यहां जान लेते हैं कि इस फिल्म ने रिलीज के 11 दिनों में देश और दुनियाभर में कितना कलेक्शन कर डाला है? आडू 3 - वन लास्ट राइड (पार्ट 1) में जयसूर्या मुख्य भूमिका में हैं. ये फिल्म पहले दिन से ही बॉक्स ऑफिस पर अपनी पकड़ बनाए हुए है. यहां तक कि रणवीर सिंह स्टारर धुरंधर 2 के तूफान के आगे भी ये देश और दुनियाभर में खूब नोट पीट रही है. बता दें कि अपने शुरुआती हफ़्ते में इस फिल्म ने भारत में 37 करोड़ रुपये कमाए थे. इसके बाद, फ़िल्म ने अपने दूसरे शुक्रवार को 1.60 करोड़ रुपये और शनिवार को 2.30 करोड़ रुपये कमाए. वहीं सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक इस फिल्म ने दूसरे संडे यानी 11वें दिन 2.65 करोड़ का कलेक्शन किया है. जिसके बाद इसकी भारत में कुल नेट कमाई अब 43.01 करोड़ हो गई है. इसके साथ ही, भारत में फिल्म का कुल ग्रॉस कलेक्शन 49.75 करोड़ रुपये हुआ है. विदेशों में, फिल्म ने 11वें दिन 1.00 करोड़ का कलेक्शन किया, जिससे इसका कुल विदेशी ग्रॉस कलेक्शन अब तक 60.15 करोड़ तक पहुँच गया है और वर्ल्डवाइड इसने 109.90 करोड़ का कलेक्शन कर डाला है.आडू फ्रेंचाइज़ी की तीसरी फ़िल्म कथित तौर पर 20 करोड़ के बजट पर बनी है.

महक चहल ने शतरंज की बाजी की तरह जिंदगी में भी जीतने की दी सीख

मनोरंजन जगत में सोशल मीडिया अब सिर्फ तस्वीरें पोस्ट करने का जरिया नहीं रह गया है बल्कि सितारे इसके जरिए अपने विचार, अनुभव और जिंदगी के नजरिए भी लोगों के साथ साझा करते रहते हैं। इस कड़ी में अभिनेत्री महक चहल ने अपने इंस्टाग्राम पर एक ऐसी ही तस्वीर साझा की है जिसने उनके फैंस का ध्यान अपनी ओर खींचा। इस पोस्ट में वह शतरंज खेलती नजर आ रही हैं और इसके साथ ही उन्होंने जिंदगी को लेकर एक दिलचस्प बात लिखी है। महक चहल ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक तस्वीर साझा की है, जिसमें वह शतरंज की बिसात के सामने बैठी नजर आ रही हैं।

तस्वीर में उनका अंदाज काफी शांत दिखाई दे रहा है, जैसे वह अगली चाल के बारे में गहराई से सोच रही हों। शतरंज की बिसात पर मोहरे सजे हुए हैं और महक उन्हें ध्यान से देखती नजर आ रही हैं। इस तस्वीर के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, जिंदगी काफी हद तक शतरंज की तरह है। कुछ चालें जीत दिलाती हैं, कुछ से आप सीखते हैं। दोनों ही तरह से, यह सब खेल का हिस्सा है।

महक चहल के इस पोस्ट पर फैंस अपनी ओर से खूब प्रतिक्रिया दे रहे हैं। कई लोगों ने उनके इस संदेश को प्रेरणादायक बताया।

एक यूजर ने कमेंट में लिखा, वाह, क्या बात कही है, जिंदगी सच में शतरंज की तरह ही होती है। एक अन्य फैन ने लिखा, यह सिर्फ शतरंज नहीं, लाइफ की बड़ी सीख है। एक अन्य फैन ने लिखा, हार भी जरूरी है, तभी जीत की कीमत समझ आती है।

महक चहल ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत 2002 में तेलुगु फिल्म नीथो से की थी। इसके बाद उन्होंने 2003 में हिंदी फिल्म नई पड़ोसन से बॉलीवुड में कदम रखा, जिससे उन्हें पहचान मिली। आगे चलकर वह कई हिंदी, पंजाबी और दक्षिण भारतीय फिल्मों में नजर आईं। उन्होंने फिल्मों में अभिनय के साथ-साथ कई लोकप्रिय गानों में भी डांस परफॉर्मेंस दी। 2009 में वह सलमान खान की फिल्म वॉन्टेड में दिखाई दीं। टेलीविजन पर उन्होंने रियलिटी शो बिग बॉस 5 में हिस्सा लेकर खास लोकप्रियता हासिल की, जहां वह रनर-अप रहीं। बाद में उन्होंने फीयर फैक्टरः खतरों के खिलाड़ी 11 में भी भाग लिया। वहीं नागिन 6 में अहम किरदार निभाया।

राजकुमार राव और कीर्ति सुरेश की फिल्म रफ्तार 24 जुलाई को देख सकेंगे थिएटर्स में

अभिनेता राजकुमार राव अब पहली बार साउथ की मशहूर अभिनेत्री कीर्ति सुरेश के साथ किसी फिल्म में नजर आएंगे। दोनों एक धमाकेदार थ्रिलर ड्रामा के लिए एक साथ आ रहे हैं। इस फिल्म की सबसे खास बात ये है कि इसे राजकुमार की पत्नी और अभिनेत्री पत्रलेखा प्रोड्यूस कर रही हैं। ये उनके प्रोडक्शन में बनी पहली फिल्म होगी। इस ताजी कास्टिंग ने प्रशंसकों के बीच फिल्म को लेकर उत्सुकता बढ़ा दी है।

रफ्तार 24 जुलाई, 2026 को सिनेमाघरों में आएगी। आदित्य निंबालकर के निर्देशन में बनी इस फिल्म का निर्माण पत्रलेखा ने कांपा फिल्म के बैनर तले किया है। इसकी कहानी महत्वाकांक्षा, प्यार और लालच के इर्द-गिर्द बुनी गई है। ये एक ऐसे जुनूनी आदमी और महत्वाकांक्षी महिला का सफर दिखाती है, जो एक तेजी से बढ़ते स्टार्टअप के जरिए अपना साम्राज्य खड़ा करना चाहते हैं, लेकिन जैसे-जैसे पैसा और पावर बढ़ती है, जीत की भूख प्यार के आड़े आने लगती है।

रोहन नरूला ने फिल्म की कहानी लिखी है। फिल्म दर्शकों को एक रोमांचक सफर पर ले जाएगी, जहां सवाल ये है कि क्या वे पावर के खेल में खुद को बचा पाएंगे या फिर सब कुछ खत्म हो जाएगा? ये पहला मौका होगा, जब राजकुमार राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता कीर्ति के साथ रोमांस करते दिखाई देंगे। कीर्ति ने अपने बॉलीवुड करियर की शुरुआत वरुण धवन अभिनीत बेबी जॉन से की थी। रफ्तार उनकी दूसरी हिंदी फिल्म होगी। राजकुमार के हाथ में फिलहाल कई फिल्में हैं। वो निर्माता दिनेश विजान के साथ काम कर रहे हैं। उनके पास मशहूर वकील उज्जवल निकम की बायोपिक है, जिसमें वो मुख्य भूमिका निभाएंगे, वहीं दिनेश विजान की फिल्म स्त्री 3 में भी वो अपनी खास मौजूदगी दर्ज कराएंगे। उधर क्रिकेट के दिग्गज सौरव गांगुली की बायोपिक के हीरो भी राजकुमार ही हैं। इसके अलावा निर्देशक शूजीत सरकार की अगली फिल्म में राजकुमार अभिनेता मनोज बाजपेयी के साथ नजर आने वाले हैं।

बड़कोट में कई दिनों से नहीं हुई सिलिंडर की आपूर्ति

कोटद्वार(आरएनएस)। रसोई गैस की लगातार किल्लत से आमजन परेशान हैं। बड़कोट नगर में लोग गैस सिलिंडर के लिए लंबी कतारों में खड़े होकर इंतजार कर रहे हैं लेकिन उन्हें गैस नहीं मिल रही है। बड़कोट क्षेत्र में पिछले कुछ दिनों से इंडेन गैस की आपूर्ति पूरी तरह ठप है वहीं चिन्यालीसौड़ में भी बुधवार को गैस के लिए लोगों की लंबी लाइन लगी लेकिन समिति सिलिंडर की वजह से ज्यादातर लोग लौट गए। बुधवार को तीसरे दिन भारत गैस की एक गाड़ी बड़कोट पहुंची लेकिन उपभोक्ताओं की भीड़ इतनी अधिक थी कि आधे से ज्यादा लोगों को बिना गैस लिए ही वापस लौटना पड़ा। वहीं इंडेन गैस उपभोक्ताओं की स्थिति और भी खराब है। कई दिनों से इंडेन गैस की आपूर्ति ठप है। स्थानीय उपभोक्ताओं का कहना है कि उन्होंने करीब 10 दिन पहले गैस बुक कराई थी लेकिन अभी तक डिलीवरी नहीं हो पाई है। हर रोज लोग उम्मीद के साथ लाइन में लगते हैं लेकिन गैस की गाड़ी न आने से निराश होकर खाली हाथ लौटना पड़ रहा है। वहीं चिन्यालीसौड़ में रसोई गैस के लिए बुधवार को उपभोक्ताओं को आठ घंटे तक चिलचिलाती धूप में खड़े रहने के बाद भी गैस उपलब्ध नहीं हो पाई। आधे से ज्यादा उपभोक्ताओं को खाली सिलिंडर लेकर लौटना पड़ा। ट्रक 200 सिलिंडर लेकर आया था लेकिन लाइन में लगे उपभोक्ताओं की संख्या दोगुनी थी। गैस एजेंसी मैनेजर चिन्यालीसौड़ फौजाराम ने बताया कि सिलिंडर की समस्या जल्द नियंत्रण में आएगी। उपभोक्ता संयम और धैर्य का परिचय दें।

जिला अस्पताल की बदहाल व्यवस्था पर संघर्ष वाहिनी का हल्ला

बागेश्वर(आरएनएस)। जिला अस्पताल की स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर संघर्ष वाहिनी ने कड़ी नाराजगी जताई है। संगठन के पदाधिकारी जिला अस्पताल पहुंचे और मुख्य चिकित्सा अधीक्षक को ज्ञापन सौंपकर 15 सूत्रीय मांगें रखीं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द व्यवस्थाओं में सुधार नहीं हुआ तो आंदोलन किया जाएगा। संगठन ने अस्पताल में दो नए फिजिशियन की तत्काल नियुक्ति करने और तब तक वर्तमान फिजिशियनों को कार्यमुक्त न करने की मांग की। साथ ही एनेस्थीसिया विशेषज्ञ की शीघ्र तैनाती पर भी जोर दिया। पदाधिकारियों ने 18 करोड़ रुपये की लागत से बनी चौथी मंजिल के 18 महीने बाद भी शुरू न होने पर नाराजगी जताते हुए इसे जनता के लिए खोलने की मांग की। उन्होंने कहा कि मरीजों को दवाइयां बाहर से लिखी जा रही हैं, जिस पर रोक लगाकर सभी दवाएं अस्पताल से ही निशुल्क उपलब्ध कराई जाएं। निरीक्षण के दौरान कई शौचालय बंद मिलने पर उन्हें तत्काल खोलने, प्रत्येक बेड के साथ स्टूल उपलब्ध कराने और मरीजों के बैठने के लिए पर्याप्त बेंच लगाने की मांग की गई। जिलाध्यक्ष कवि जोशी ने कहा कि 108 एंबुलेंस सेवा में मरीजों को एक से दो घंटे तक इंतजार करना पड़ रहा है, जिसे सुधारना जरूरी है।

सू- दोकू क्र.089

9		8		1		7		
4		6			7		5	
	3			6		8		9
		3			1		6	
5			6			9		
		9		5			3	
3			7		9			1
	5			2		3	9	
1		4			8		7	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.88 का हल

7	5	6	4	1	2	8	3	9
3	4	8	6	7	9	2	1	5
1	2	9	5	3	8	7	4	6
2	8	1	9	5	6	4	7	3
6	9	7	2	4	3	5	8	1
5	3	4	7	8	1	9	6	2
8	7	2	1	6	5	3	9	4
4	6	5	3	9	7	1	2	8
9	1	3	8	2	4	6	5	7

नई ऊर्जा और उमंग के साथ स्कूलों में नया सत्र शुरू

ऋषिकेश(आरएनएस)। शिक्षण संस्थानों में नई ऊर्जा और उमंग के साथ स्कूलों में नया सत्र शुरू हुआ।

नवीन सत्र के प्रथम दिवस पर सभी छात्र छात्राओं का स्वागत फूल माला बरसा कर हुआ। इसके अलावा हवन पूजन सहित अन्य कार्यक्रम भी हुए। बुधवार को आदर्श नगर स्थित सरस्वती विद्या मंदिर स्कूल में नवीन सत्र के प्रथम दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। स्कूल गेट पर विद्यालय की शिक्षिकाओं ने प्रवेश करने वाले सभी छात्र छात्राओं का स्वागत फूल बरसाकर और तिलक लगाकर किया। उन्होंने सभी छात्र छात्राओं को नवीन शैक्षिक सत्र की शुभकामनाएं दी। बच्चों में भी नए कक्षा में आने से उमंग का माहौल बना रहा। विद्यालय के प्रधानाचार्य गुरु प्रसाद उनियाल ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों के मन में विद्यालय के प्रति आत्मीयता एवं उत्साह उत्पन्न करना है। नवीन सत्र के शुभारंभ के साथ ही सभी विद्यार्थियों ने नई ऊर्जा और उमंग के साथ अपने अध्ययन कार्य का प्रारंभ भी किया। मौके पर भाग सिंह रावत, दिगंबर गुसाईं, मन मोहन शाह, प्रियंका, संतोष डबराल, अर्पणा रावत, निशा शर्मा, संजू शर्मा, स्वाति आदि उपस्थित रहे।

वही दूसरी ओर पब्लिक इंटर कॉलेज डोईवाला में बुधवार को शैक्षिक सत्र 2026-27 की सफलता के लिए हवन पूजन करके छात्र छात्राओं के उज्जवल भविष्य की कामना की गई। नए शैक्षिक सत्र के शुभारंभ अवसर पर कक्षाओं में प्रथम आने वाले कल्पना, तन्वी, सन्नी, पायल, तौकीर आदि को पुरस्कार देकर उनका उत्साहवर्धन किया गया। विद्यालय प्रबंधक मनोज नौटियाल ने कहा कि नए शैक्षिक सत्र में विद्यार्थियों को बेहतर पठन-पाठन की सुविधा मिलेगी। मौके पर प्रधानाचार्य अंकित डोबरियाल, आलोक जोशी, भुवनेश वर्मा, अश्वनी गुप्ता, साक्षी सुंदरियाल, ओमप्रकाश काला, रत्नेश द्विवेदी, अवधेश सेमवाल, विवेक बधानी, पूजा जोशी, तेजवीर सिंह, सुदेश सहगल, राधा गुप्ता, चारू वर्मा, श्यामानंद, अर्चना पाल, अनीता बलोदी, मयंक शर्मा, चेतन प्रसाद कोठारी, श्रीपाल आदि रहे।

उधर, राजकीय प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालय गांधीग्राम बुल्लावाला में शैक्षिक सत्र 2026-27 का हर्षोल्लास के साथ शुभारंभ हुआ और नए प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों का फूल-मालाओं से जोरदार स्वागत किया गया। मौके पर विद्यालय प्रबंधन समिति की उपाध्यक्ष आसिया, प्रधानाध्यापक चंद्र प्रकाश पाल, सरोज बाला, सुनीता रावत, अरुणा नैथानी, सुभाष चंद्र, मंजू कांबोज, तेजवीर सिंह, कौशल कुमार, सुमन आदि रहे।

रामनगर रोड के लिए 17.51 करोड़ का प्रस्ताव केंद्र को भेजा: बाली

काशीपुर(आरएनएस)। मेयर दीपक बाली ने बताया कि काशीपुर-रामनगर रोड (किमी 1 से 28) के सुधार के लिए पहले 16.30 करोड़ रुपये का प्रस्ताव तैयार किया गया था, जिसे संशोधित कर 17.51 करोड़ रुपये कर दिया गया है। यह प्रस्ताव भारत सरकार को भेजा जा चुका है। सड़क की खराब स्थिति को देखते हुए फिलहाल गड्ढों का भरान कार्य किया जा रहा है, ताकि लोगों को राहत मिल सके।

बुधवार को नगर निगम कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में मेयर बाली ने कहा कि रामनगर रोड की बदहाल स्थिति को लेकर जनता और मीडिया लगातार सवाल उठा रहे हैं। यह सड़क राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच) के अंतर्गत आती है, इसलिए नगर निगम सीधे इस पर कार्य नहीं कर सकता। इसके बावजूद उन्होंने इसे प्राथमिकता में रखते हुए शासन-प्रशासन से लगातार पत्राचार और अधिकारियों से वार्ता की है। उन्होंने बताया कि सड़क की समस्या को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के संज्ञान में भी लाया गया है। मुख्यमंत्री ने जल्द धनराशि स्वीकृत कराने का आश्वासन दिया है। उम्मीद जताई जा रही है कि अप्रैल में स्वीकृति मिल सकती है और वर्षा ऋतु से पहले टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी, जिससे निर्माण कार्य समय पर प्रारंभ हो सके। मेयर ने कहा कि सड़क का फोरलेन प्रस्ताव पहले ही स्वीकृत है, लेकिन इसके निर्माण में समय लगेगा। ऐसे में तब तक मौजूदा सड़क को दुरुस्त रखना जरूरी है। इसके अलावा नगर निगम की ओर से तीन हाईटेक शौचालयों को मंजूरी दी गई है। एक खड़कपुर-देवीपुरा में करीब 79.82 लाख, दूसरा चैती मेला प्रांगण में 76.87 लाख और तीसरा द्रोणा सागर क्षेत्र में करीब 63 लाख रुपये की लागत से बनाया जाएगा। साथ ही शहर में करीब 100 नल लगाने का टेंडर जारी किया गया है और जरूरत के अनुसार प्याऊ व वाटर कूलर भी लगाए जाएंगे।

बागेश्वर में गैस सिलेंडर के लिए घंटों इंतजार

बागेश्वर(आरएनएस)। नगर में रसोई गैस सिलेंडर के लिए बुधवार को लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। सुबह से ही विभिन्न वितरण केंद्रों पर लंबी कतारें लग गईं, जबकि गैस वाहनों के देरी से पहुंचने के कारण अव्यवस्था की स्थिति बन गई। तहसील मार्ग और लोनिवि कार्यालय के समीप गैस वितरण कार्यक्रम तय था। लोग सुबह सात बजे से ही खाली सिलेंडर लेकर लाइन में लग गए, लेकिन तहसील मार्ग पर गैस का वाहन करीब साढ़ेदस बजे पहुंचा। वाहन आते ही गैस लेने वालों की भीड़ उमड़ पड़ी, जिससे जाम की स्थिति पैदा हो गई। बाद में पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति संभाली और गैस वाहन को पास की पार्किंग में भिजवाया, जहां से वितरण कराया गया। इसके बाद यातायात सामान्य हो सका।वहीं, लोनिवि कार्यालय के पास लोग सुबह दस बजे से ही सिलेंडर लेकर पहुंच गए थे, लेकिन यहां गैस वाहन दोपहर एक बजे तक नहीं पहुंचा। लोगों ने एजेंसी में शिकायत की, जिसके बाद करीब दो बजे वाहन पहुंचा और गैस वितरण शुरू हुआ। लंबे इंतजार के बाद लोगों ने राहत की सांस ली। उधर, दुग-नाकुरी तहसील के पचार गांव में गैस वाहन नहीं पहुंचने से ग्रामीणों में नाराजगी रही। मंगलवार शाम से ही लोग सड़क किनारे सिलेंडर लेकर इंतजार करते रहे। गैस वितरण कर्मियों ने रात आठ बजे तक पहुंचने का आश्वासन दिया, लेकिन रात नौ बजे बताया गया कि सिलेंडर खत्म हो गए हैं। करीब छह घंटे इंतजार के बाद ग्रामीण निराश होकर लौट गए। उन्होंने जल्द गैस आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग की है। जिला पूर्ति अधिकारी जीबी पांडेय ने बताया कि नगर में गैस वितरण किया गया है और जहां आपूर्ति नहीं हो सकी है, वहां जल्द वाहन भेजा जाएगा।

पाकेट पार्किंग के लिए नगर में 11 स्थान चिह्नित, जाम से मिलेगी निजात

कोटद्वार(आरएनएस)। नगर की मुख्य सड़कों पर लगने वाले जाम की समस्या से निजात दिलाने के लिए नगर निगम की ओर से कवायद शुरू कर दी गई है। इसके तहत नगर निगम, यातायात पुलिस, लोनिवि दुगड्डा व एनएच प्रशासन की संयुक्त टीम की ओर से पूर्व में सर्वे कर पाकेट पार्किंग के लिए 11 स्थान चिह्नित किए गए हैं। अप्रैल की बोर्ड बैठक में स्वीकृति मिलने के बाद इसे अमली जामा पहनाया जाएगा। नगर निगम बनने के बाद नगर निगम प्रशासन की ओर से पार्किंग के लिए कई प्रस्ताव स्वीकृति के लिए शासन को भेजे गए लेकिन अभी तक उन्हें स्वीकृति नहीं मिल पाई है। पार्किंग की व्यवस्था न होने के कारण नगर की मुख्य सड़कों पर दोनों ओर दोपहिया व हल्के वाहनों की पार्किंग हो रही है जिससे सड़कों पर आए दिन जाम की स्थिति बनी रहती है। वही, फुटपाथ पर वाहनों की पार्किंग से पैदल आवाजाही करने वाले लोगों को सड़क पर आवाजाही करनी पड़ रही है जिससे मार्ग पर दुर्घटनाएं होने की आशंका बनीहै। क्षेत्रवासी नगर निगम प्रशासन से लगातार पार्किंग की व्यवस्था करने की मांग कर रहे हैं। क्षेत्रीय जनता की मांग पर नगर निगम प्रशासन की ओर से नगर निगम, यातायात पुलिस, लोनिवि दुगड्डा, एनएच की संयुक्त टीम से विगत दिसंबर में संयुक्त सर्वे कराया गया था। संयुक्त टीम ने पाकेट पार्किंग के लिए बेस अस्पताल व आसपास के क्षेत्र, झंडाचौक, लालबत्ती चौराहा, गाड़ीपड़ाव स्टैंड, उमानंद बड़थ्वाल मार्ग स्थित स्टैंड, पटेल मार्ग, सिनेमा रोड, देवी रोड पर एसबीआई व मछली बाजार, मोटर नगर आदि स्थानों का सर्वे किया था। सर्वे के बाद टीम की ओर से पार्किंग के लिए 11 स्थान चिह्नित किए थे। नगर निगम की ओर से पूर्व में भी छह पाकेट पार्किंग बनाए गए थे। जिसमें से देवी रोड पर एसबीआई बैंक के समीप की पाकेट पार्किंग ही संचालित हो रही है।

राज्य में दिव्यांगजनों के लिए ऋषिकेश में बन रहा आधुनिक इंडोर बैडमिंटन हॉल

हमारे प्रतिनिधि

देहरादून। जनपद देहरादून में दिव्यांगजनों के लिए खेल सुविधाओं के विस्तार एवं उन्हें सशक्त बनाने की दिशा में जिलाधिकारी सविन बसंल के निर्देशन में जिला प्रशासन द्वारा एक महत्वपूर्ण एवं सराहनीय पहल की गई है। राज्य में प्रथमबार दिव्यांगजनों की मांग एवं उनकी विशेष आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए ऋषिकेश क्षेत्र में उनके उपयोगार्थ एक आधुनिक इंडोर बैडमिंटन हॉल का निर्माण कराया जा रहा है, जिसका निर्माण कार्य प्रारम्भ कर दिया गया है। जिला प्रशासन ने दिव्यांगजनों इंडोर बैडमिंटन हॉल निर्माण हेतु भूमि चयनित करते हुए 02 किश्तों में 62.67 लाख की राशि प्रदान की गई है जिसमें नगर निगम ऋषिकेश को प्रथम किस्त 25.41 लाख धनराशि पूर्व में जारी कर दी गई है शेष धनराशि 37.26 का अनुमोदित की कर दी गई है।

❑इंडोर बैडमिंटन हॉल लिए डीएम ने जिला खनन न्यास से रू0 62.67 लाख की धनराशि जारी की

जिला प्रशासन की इस पहल से जहां मेधावी दिव्यांगजन खिलाडियों हेतु इंडोर बैडमिंटन हॉल की सुविधा मिलेगी वहीं प्रतिभावान दिव्यांग खिलाड़ियों को अपना हुनर दिखाने का अवसर मिलेगा जिससे छुपी हुई प्रतिभा सामने आ सकेंगी तथा राज्य, राष्ट्रीय अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर देश एवं राज्य का नाम रोशन कर सकेंगे। जिलाधिकारी के इस प्रसाय से ऐसे सितारे जो बहुत कुछ कर सकते हैं किन्तु सुविधओं के आभाव में कुछ नही कर पा रहें हैं उनको अब इस आधुनिक बैडमिंटन हॉल में अपना हुनर दिखाते हुए राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी चमक बिखेरने का मौका मिलेगा।

जिलाधिकारी ने दिव्यांगजनों हेतु इस महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए न्तहमदज छममक ठंपे पर जिला खनिज फाउंडेशन (डीएमएफ) मद के अंतर्गत पूर्व में रू0 25.41 लाख की धनराशि स्वीकृत एवं निर्गत की जा चुकी है। उक्त धनराशि नगर निगम, ऋषिकेश को चेक के माध्यम से उपलब्ध कराई गई है, जिस पर निर्माण कार्य प्रारम्भ हो चुका है। इसी क्रम में नगर निगम, ऋषिकेश द्वारा प्रस्तुत संशोधित आंगणन के अनुसार अब इस परियोजना की कुल लागत रू0 62.67 लाख आंकी गई है। जिलाधिकारी ने नगर आयुक्त, नगर निगम ऋषिकेश द्वारा प्रस्तुत शेष रू0 37.26 लाख की अतिरिक्त धनराशि की मांग पर डीएम ने स्वीकृति प्रदान कर दी है।

जिलाधिकारी सविन बंसल ने स्पष्ट किया कि दिव्यांगजनों के लिए बुनियादी सुविधाओं का विकास प्रशासन की प्राथमिकता में है। यह इंडोर बैडमिंटन हॉल न केवल उनके शारीरिक विकास एवं स्वास्थ्य को प्रोत्साहित करेगा, बल्कि उन्हें समाज की मुख्यधारा में सशक्त रूप से जोड़ने का कार्य भी करेगा। जिला प्रशासन द्वारा यह भी सुनिश्चित किया जा रहा है कि परियोजना समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूर्ण हो, जिससे दिव्यांगजनों को शीघ्र ही इस सुविधा का लाभ मिल सके।

लाखों रुपये की नगदी व जेवरात लेकर नाबालिग फरार

संवाददाता

देहरादून। लाखों रूपये की नगदी व जेवरात लेकर नाबालिग के फरार हो जाने पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रायपुर निवासी व्यक्ति ने रायपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी नाबालिग बहन घर से डेढ लाख रूपये नगद व सोने के जेवरात लेकर फरार हो गयी है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया जांच शुरू कर दी।

एसडीआरएफ की टीम द्वारा पुलिस जवानों को दिया आपदा-प्रबन्धन का प्रशिक्षण

संवाददाता

उत्तरकाशी। एसडीआरएफ की टीम ने पुलिस जवानों को आपदा-प्रबन्धन का प्रशिक्षण दिया।

आज यहां चारधाम यात्रा 2026 के सरल, सुगम तथा सुरक्षित संचालन को लेकर उत्तरकाशी पुलिस लगातार तैयारियों में जुटी है। पुलिस अधीक्षक उत्तरकाशी, श्रीमती कमलेश उपाध्याय के निर्देशन में आगामी चारधाम यात्रा एवं मानसून सीजन के दौरान आपात स्थिति में त्वरित कार्यवाही, राहत एवं बचाव हेतु ैक्स्थ की टीम द्वारा आज 3 मार्च 2026 को पुलिस लाईन उत्तरकाशी में पुलिस जवानों को आपदा प्रबंधन, बचाव एवं रेस्क्यू से सम्बंधित प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण शिविर में एसडीआरएफ की टीम के द्वारा सभी जवानों को आपातकालीन स्थिति, सडक दुर्घटनाओं, विभिन्न प्रकार की दैवीय आपदाओं में त्वरित कार्यवाही, आपदा के दौरान स्थिति से निपटने के साथ ही आपदा प्रबंधन उपकरणों /खोज एवं बचाव के सम्बंध में विस्तृत जानकारी दी गयी। आपदा के समय उपकरणों के प्रयोग, प्राथमिक उपचार, सी.पी.आर. एवं सेटेलाइट फोन के प्रशिक्षण के साथ लिफ्टिंग एण्ड मूविंग पैसेंट, रोप रेस्क्यू उपकरणों, स्टेचर बनाने की विधि (इम्प्रोवाइज मैथड), ब्लड कंट्रोल विधि का व्यवहारिक प्रशिक्षण दिया गया। आपदा प्रबन्धन के दौरान जरुरी सावधानियों, मौके की नजाकत (परिस्थिति की संवेदनशीलता) को समझकर, त्वरित निर्णय लेना, जोखिम को कम करने के लिए सटीक रणनीति, धैर्य, सुरक्षित स्थान की पहचान, रियल-टाइम डेटा का उपयोग और टीम वर्क की बेहद उपयोगी जानकारी दी गयी। पुलिस अधीक्षक उत्तरकाशी द्वारा बताया गया कि चारधाम यात्रा व आगामी मानसून सीजन के दौरान आपातकालीन स्थिति, दैवीय आपदाओं, सडक दुर्घटनाओं के समय आपदा तथा जान-माल के जोखिम के न्यूनीकरण हेतु पुलिस लाईन व प्रत्येक थाना कोतवाली पर नियुक्त पुलिस अधिकारी व कर्मियों को आपदा-प्रबन्धन, राहत एवं बचाव कार्यों के सम्बन्ध मे महत्पूर्ण प्रशिक्षण दिया जा रहा है, इसके साथ जनता के वॉलेन्टिर/आपदा स्वयंसेवियों को चुनकर उन्हे भी प्राथमिक उपचार तथा रेस्क्यू एवं बचाव कार्यों का प्रशिक्षण दिया जायेगा। चारधाम यात्रा का सुरक्षित, व्यवस्थित तथा सुगम संचालन करवाना हमारी प्रथमिकता है। तीर्थयात्रियों को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होने दी जायेगी। सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किये जा रहे हैं।

एसएसपी ने पदोन्नत पुलिस अधिकारी को पदोन्नति पद के अलंकरण किया अलंकृत

संवाददाता

देहरादून। एसएसपी प्रमेन्द्र डोबाल ने पदोन्त हुए पुलिस अधिकारी को पदोन्नति पद के लिए अलंकरण सं अलंकृत किया गया। आज यहां निरीक्षक से पुलिस उपाधीक्षक के पद पर पदोन्नति होने पर एसएसपी प्रमेन्द्र डोबाल द्वारा उन्हें अपनी शुभकामनाएं देते हुए पुलिस उपाधीक्षक के पद के अलंकरण से अलंकृत किया गया। इस दौरान एसएसपी देहरादून द्वारा प्रतिसार निरीक्षक के पद पर नियुक्त रहते हुए उनके द्वारा किए गए कार्यों की सराहना करते हुए उन्हें भविष्य की लिए अपनी शुभकामनाएं दी तथा आगे भी इसी प्रकार मेहनत व लगन के साथ अपने कर्तव्यों के निर्वहन के लिए प्रेरित किया गया।

आमजन को सुरक्षा का अहसास कराती दून पुलिस

प्रातः से ही सभी थाना क्षेत्रों में चला दून पुलिस का चेकिंग अभियान

संवाददाता

देहरादून। आमजन को सुरक्षा का अहसास कराते हुए प्रातः से सभी थाना क्षेत्रों में पुलिस का चैकिंग अभियान चलाया गया।

आज यहां वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा आमजन की सुरक्षा हेतु सभी अधीनस्थों को अपने-अपने क्षेत्र में लगातार सघन चेकिंग अभियान चलाए जाने हेतु निर्देशित किया गया है। दिए गए निर्देशों के अनुपालन में जनपद के सभी थाना क्षेत्रों में पुलिस टीमों द्वारा रात्रि एवं दिन में लगातार सघन चेकिंग व सत्यापन अभियान चलाते हुए संदिग्धों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई अमल में लाई जा रही है। इसी क्रम में आज प्रातः से ही पुलिस अधीक्षक यातयात के नेतृत्व में सभी थाना क्षेत्रों में गौरा पुलिस तथा यातायात पुलिस की अलग अलग टीमों द्वारा सार्वजनिक स्थानों/ पार्कों के पास चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान प्रातः मॉर्निंग वॉक तथा अपने काम पर जाने वाले व्यक्तियों से पुलिस टीमों द्वारा बातचीत करते हुए उन्हें विश्वास दिलाया कि पुलिस सदैव उनकी सुरक्षा एवं सहायता हेतु उपलब्ध है। इस दौरान अनावश्यक एवं संदिग्ध रूप से घूम रहे व्यक्तियों से आवश्यक पूछताछ की गई। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशों पर दून पुलिस द्वारा दिन - रात लगातार सम्पूर्ण जनपद में सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है।

उत्तराखंड कांग्रेस में 'महाभारत'

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। चुनावी साल में राजनैतिक पार्टियां जहां अपना कुनबा बढ़ाने में लगे हुए हैं। राजनैतिक द्वंद में कांग्रेस ने भाजपा के छह बडेध्‍ नेताओं को अपनी पार्टी में शामिल कर भाजपा को बड़ा झटका दिया है। इसके बाद से उत्तराखंड कांग्रेस में 'महाभारत' शुरू हो गई है।

बता दें कि 28 मार्च को उत्तराखंड कांग्रेस ने भाजपा के छह बडेध्‍ नेताओं को पार्टी में शामिल किया था। उसके बाद से कांग्रेस में महाभारत शुरू हो गई है। सूत्र बताते हैं कि कांग्रेस के बडेध्‍ नेता हरीश रावत इस बात से 'नाखुश' हैं। उनकी नाराजगी के बाद कांग्रेस में विवाद गहरा गया है। इससे नाराज होकर जहां हरदा 15 दिन के राजनीतिक अवकाश पर चले गए है। वहीं कांग्रेस के एक विधायक ने सोशल मीडिया पर पोस्ट लिखकर बगावत की धमकी दे दी है।

विवाद शुरू होने के पीछे का कारण हरीश रावत के नाराज होकर राजनीतिक अवकाश माना जा रहा है। हरदा की इस घोषणा के बाद कांग्रेसी उनके समर्थन में खुलकर सामने आ गये है। पहले पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गोविंद सिंह कुंजवाल ने हरीश रावत का समर्थन किया। दूसरी ओर पूर्व मंत्री हरक सिंह रावत ने पलटवार किया तो अब धारचूला से कांग्रेस विधायक हरीश धामी ने तो सीधे ही मोर्चा खोल दिया है। खुलकर पूर्व सीएम हरीश रावत के समर्थन में आए हरीश धामी ने सोशल मीडिया पर पार्टी को चेतावनी देते हुए खुली पोस्ट लिख डाली है। हरीश धामी ने हरीश रावत समर्थकों से कांग्रेस से सामूहिक इस्तीफे की अपील तक कर डाली है। कांग्रेस पार्टी के अंदर चल रहे अंतकलह के कारण यह महाभारत सड़क पर आ गई है। वही विपक्ष को भी मौका मिल गया है। कांग्रेस के अंदर चल रहे महाभारत को लेकर भाजपा इसे खुद के लिए अच्छे संकेत मान रही है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने कहा कि अगर कांग्रेस में ऐसा ही चलता रहा तो आने वाले चुनाव में भाजपा को कांग्रेस से लड़ने की जरूरत ही नहीं होगी। कांग्रेसी तो अपने-अपने में ही लडेध्‍गी और इसका फायदा भाजपा को मिलना स्वाभाविक है। वैसे भी कांग्रेस का विकास से कोई लेना-देना नहीं है। वह तो सिर्फ आपस में उलझने में ही मस्त रहती है।

❑एक विधायक ने सोशल मीडिया पर पोस्ट लिख कर दी बगावत की धमकी
❑कांग्रेस में छह बडे भाजपा नेताओं के शामिल होने के बाद से कांग्रेस में विवाद
❑'हरदा' के राजनीतिक अवकाश के बाद कई कांग्रेसी नेता आये उनके पक्ष में

हरक सिंह दलबदल वाले महापापीः हरीश धामी

विधायक हरीश धामी ने सोशल मीडिया पोस्ट में सीधे पूर्व हरक सिंह रावत के खिलाफ ही मोर्चा खोल दिया। उन्होंने कहा कि दलबदल करने वाले हरक सिंह भरोसे लायक नेता नहीं हैं। वह 2016 में कांग्रेस सरकार को अस्थिर करने वाले नेता हैं। रावत ने ही इस देवभूमि में दलबदल का महापाप हुआ था, इससे वह महापापी बन गए है, जिसके बाद कांग्रेस को बहुत मुश्किलों का सामना करना पड़ा था। हरक सिंह दोबारा भी कांग्रेस को धोखा दे सकते है। इसलिए कांग्रेस पार्टी को उनसे संभलकर रहना होगा।

कांग्रेस में हैं पंचमुखी और एकमुखी रुद्राक्षी नेताः अग्रवाल

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं वरिष्ठ भाजपा नेता दिनेश अग्रवाल ने 27 के चुनावों में मुख्यमंत्री धामी के नेतृत्व में हैट्रिक लगाने का दावा किया है। भाजपा की डबल इंजन सरकार धरातल पर विकास कर रही है और उसी धरातल से कांग्रेस पूरी तरह कटी हुई है। कांग्रेस में स्वयं घोषित पंचमुखी और एकमुखी रुद्राक्षी नेता एक दूसरे को जिस तरह निपटाने में लगे हैं, वह 2017 और 2022 के नतीजों को दोहराने का संकेत है। मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा और कांग्रेस की राजनैतिक कार्यशैली एवं विचारों के प्रति प्रतिबद्धता में जमीन आसमान का अंतर है। भाजपा की सरकार केंद्र और राज्य में लगातार धरातल पर विकास के कार्यों को स्थापित कर रही हैं। पीएम मोदी के चमत्कारिक नेतृत्व में देश और मुख्यमंत्री धामी के दूरदर्शी नेतृत्व में प्रदेश दिन दूनी रात चौगुनी गति से तरक्की कर रहा है। उन्होंने कांग्रेस पर तंज करते हुए कहा कि 2014 के बाद से लगातार हार के बाद भी उनका प्रदेश या केंद्रीय नेतृत्व सबक सिखने के मूड में नहीं है। उनको लगता है चार लोग मीडिया में बयानबाजी करेंगे और जनता उनके साथ खड़ी हो जाएगी। कांग्रेस नेता बड़ी मुश्किल से एक कार्यक्रम कर पाते हैं और खुशफहमी पाल कर घर बैठ जाते हैं, जबकि भाजपा एक के बाद एक सांगठनिक एवं जनसहभागिता के कार्यक्रम से निरंतर आगे बढ़ते हुए स्वयं को मजबूत करती जाती है। उन्होंने कटाक्ष किया कि गुटबाजी और एक दूसरे को नीचा दिखाना कांग्रेस की लड़ाई बेहद शर्मनाक है। ऐसी राजनीतिक पार्टी जो स्वयं को राज्य के विकास की कमान सौंपने की दावेदारी करती हो, उसके गिने चुने बड़े नेता खुलकर एक दूसरे कर आरोप प्रत्यारोप लगा रहे हैं। प्रदेश की जनता यह सब अच्छी तरह देख रही है और यही देखकर 2017 और 2022 में जनता ने कांग्रेस को बुरी तरह नकार दिया था।

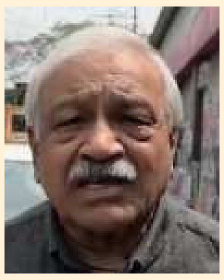

●भाजपा के लिए 27 में चुनौती नहीं, धामी के नेतृत्व में लगेगी हैट्रिकः दिनेश

मासूम को गुलदार ने बनाया निवाला

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। पौड़ी जिले के चौबट्टाखाल क्षेत्र के ग्राम सभा तिमली स्थित भतकोट गांव में एक चार वर्ष की बच्ची को गुलदार ने निवाला बना लिया। बच्ची का शव झाड़ियों से बुरे हाल में बरामद हुआ। जानकारी के अनुसार, घटना गुरूवार देरात की बताईई जा रही है। ग्राम भतकोट निवासी हरेंद्र की चार साल की बेटी दृष्टि रात को खाना खाने के बाद घर के आंगन में खेल रही थी। इसी दौरान घात लगाए गुलदार ने उसे जबड़े में जकड़ लिया। गुलदार उसे आंगन से खींचकर नीचे खेतों की ओर ले गया। परिजनों का शोर सुनकर अन्य ग्रामीण भी मौके पर पहुंचे और दृष्टि की तलाश शुरू कर दी। काफी कोशिश के बाद घर से कुछ दूर झाड़ियों में उसका शव बरामद हुआ।

❑घर के आंगन में खेल रही थी 4 साल की बच्ची
❑बच्ची का शव झाड़ियों से बुरे हाल में बरामद

सीमा पर हुए शहीद का पार्थिव शव पहुंचा पैतृक घर

हमारे संवाददाता

पिथौरागढ़। जनपद पिथौरागढ़ के वीर सपूत विकास कुमार, जो सिक्किम में कर्तव्य पालन के दौरान शहीद हो गए, को आज जिलाधिकारी आशीष कुमार भटगांई ने भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

भारतीय सेना के वीर जवान विकास कुमार, जो 19 कुमाऊँ रेजिमेंट में तैनात थे, देश की रक्षा करते हुए वीरगति को प्राप्त हो गए। उनकी तैनाती सिक्किम में थी। इस बहादुर सिपाही की शहादत से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर व्याप्त है। उनके पैतृक गांव गणकोट (सुकौली) में मातम का माहौल है। परिजनों और ग्रामीणों की आंखें नम हैं, वहीं उनके हृदय में गर्व भी है कि उनका बेटा देश की रक्षा करते हुए शहीद हुआ।

जिलाधिकारी आशीष कुमार भटगांई ने कहा कि शहीद विकास कुमार का बलिदान देश की सेवा और सुरक्षा के प्रति उनकी अटूट निष्ठा का प्रतीक है। उनका यह सर्वोच्च बलिदान सदैव स्मरणीय रहेगा तथा आने वाली पीढ़ियों को देशभक्ति के लिए प्रेरित करता रहेगा। उन्होंने शोक संतप्त परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि इस दु:ख की घड़ी में पूरा प्रशासन उनके साथ खड़ा है। उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना की कि दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें तथा परिजनों को इस अपार दु:ख को सहन करने की शक्ति दें।

शहीद विकास कुमार अपने पीछे माता-पिता, पत्नी, भाई तथा एक 8 माह के शिशु को छोड़ गए है।

'रेस्टारेंट और ढाबों के लिए 2000 सिलेंडर'

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। राज्य में व्यवसायिक एलपीजी सिलेण्डरों की बढ़ती मांग और आपूर्ति संतुलन को ध्यान में रखते हुए पूर्व में निर्धारित एसओपी को अतिक्रमित करते हुए नई संशोधित एसओपी लागू कर दी गईई है। सचिव खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति आनंद स्वरूप ने बताया कि राज्य द्वारा पीएनजी को बढ़ावा देने की दिशा में किए गए प्रयासों के फलस्वरूप उत्तराखण्ड को व्यवसायिक एलपीजी के लिए अतिरिक्त कोटा प्राप्त हुआ है।

सचिव स्वरूप ने बताया कि संशोधित एसओपी में विभिन्न उपभोक्ता श्रेणियों की दैनिक आवश्यकता को निर्धारित किया गया है। होटल एवं रिजार्ट जैसे पर्यटन आधारित प्रतिष्ठानों के लिए 1500 सिलेण्डर और रेस्टोरेंट व ढाबों के लिए 2000 सिलेण्डर निर्धारित किए गए हैं, जिससे पर्यटन सीजन के दौरान निर्बाध सेवाएं सुनिश्चित की जा सकें। सरकारी एवं सरकार द्वारा नियंत्रित गेस्ट हाउसों के लिए 300 सिलेण्डर आवंटित किए गए हैं। इसके अतिरिक्त डेयरी एवं खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों, पेइंग गेस्ट सुविधा वाले छात्रावासों व होम-स्टे एवं स्वयं सहायता समूहों के प्रतिष्ठानों के लिए 200-200 सिलेण्डर निर्धारित किए गए हैं।

सचिव आनंद स्वरूप ने बताया कि जनपदवार कोटा भी गैस कनेक्शनों की संख्या के अनुरूप निर्धारित कर दिया गया। देहरादून को 31 प्रतिशत के साथ सर्वाधिक आवंटन दिया गया है, जबकि हरिद्वार एवं नैनीताल को 13-13 प्रतिशत आवंटन निर्धारित किया गया है। उधमसिंह नगर को 9 प्रतिशत, चमोली को 6 प्रतिशत और रुद्रप्रयाग को 5 प्रतिशत आवंटन दिया गया है। टिहरी, पौड़ी, उत्तरकाशी एवं अल्मोड़ा को 4-4 प्रतिशत, पिथौरागढ़ को 3 प्रतिशत व बागेश्वर एवं चम्पावत को 2-2 प्रतिशत आवंटन दिया गया है।

❑व्यवसायिक सिलेंडर वितरण के लिए नई एसओपी जारी
❑राज्य को मिला व्यवसायिक सिलेंडरों का अतिरिक्त कोटा
❑देहरादून जनपद को सर्वाधिक 31 प्रतिशत का आवंटन

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।